卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवहिं जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारूत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 24 ♦अंक 285 ♦पृष्ठ 8 ♦रूद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦शनिवार ♦27 जुलाई 2024 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

धरना स्थल पर बेहड़ बेहोश, हड़कम्प

किच्छा(उद संवाददाता)। व्यापार मण्डल चुनाव रोकने के विरोध एवं एसडीएम के स्थानांतरण सहित अन्य मुद्दों को लेकर एसडीएम कार्यालय में धरने पर समर्थकों के साथ धरने पर बैठे पूर्व मुंत्री एवं किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ शनिवार को अचानक भाषण देते समय बेहोश हो गये जिससे मौके पर हड़कम्प मच गया। आनन फानन में बेहड़ को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया। सूचना पर कई अधिकारी भी अस्पताल पहुंच गये। साथ ही तनाव को देखते हुए पूरे अस्पताल को छावनी में तब्दील कर दिया गया। बता दें किच्छा व्यापार मण्डल चुनाव पर प्रशासन द्वारा रोक लगाये जाने

के बाद विधायक तिलक राज बेहड़ अपने तमाम समर्थकों के साथ बीते मंगलवार से एसडीएम कार्यालय के समक्ष धरने पर बैठे थे। उनकी मांग थी कि व्यापार मण्डल चुनाव को बहाल किया जाये और एसडीएम का स्थानांतरण किया जाये। इस बीच कई बार विधायक बेहड़ को मनाने के प्रयास किये गये लेकर बेहड़ अपनी मांगों पर अडिग रहे। धरने के पांचवे दिन शनिवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रतिनिधि के रूप में अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय और तहसलदार गिरीश त्रिपाठी सीएम का संदेश लेकर बेहड़ को मनाने के लिए पहुंचे। उन्होंने बेहड़ से धरना समाप्त करने का आग्रह करते हुए बताया कि सीएम ने उनकी मांगों का संज्ञान लिया है जिन पर जल्द ही कार्यवाही की जायेगी। इस दौरान बेहड़ ने एसडीएम के स्थानांतरण के साथ ही खुरपिया फार्म (शेष पृष्ठ सात पर)

ज्वैलरी शॉप से लाखों के जेवर और नगदी चोरी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। अज्ञात चोरों ने गत रात्रि गंगापुर मार्ग पर जनपथ रोड़ में स्थित एक ज्वैलरी शॉप के पीछे का शटर खोलकर दुकान से लाखों रूपये की कीमत के सोने चांदी के जेवरात के साथ ही लाखों की नगदी चोरी कर ली। प्रात: घटना की जानकारी मिलने पर ट्रांजिट कैम्प थानाध्यक्ष ने मौके का निरीक्षण किया और आवश्यक जानकारी जुटाई। जानकारी के अनुसार मूल रूप से सोमेश्वर निवासी राजेश रस्तोगी पुत्र सियाराम की जनपथ रोड़ पर

अल्मोड़ा पहाड़ी सुनार नाम से ज्वैलरी शॉप है। जहां वह अपने पुत्र प्रांजल के साथ कारोबार करते हैं। बताया जाता है कि राजेश अपने (शेष पृष्ठ सात पर)

कार चालक अलकनंदा नदी में गिरा,तलाश जारी

चमोली(उद संवाददाता)।बदरीनाथ हाईवे पर बिरही चाड़े पर एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई की ओर लटक गई। इस दौरान वाहन चालक खाई में जा गिरा। रात को ही स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस प्रशासन और एसडीआरएफ व एनडीआरएफ को दी, लेकिन अंधेरा होने के कारण रात को रेस्क्यू नहीं किया जा सका। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी ने बताया कि शुक्रवार को देर रात करीब दो बजे बदरीनाथ धाम की तीर्थयात्रा कर लौट रहे पति-पत्नी महाराष्ट्र निवासी अनूप और तृप्ति की कार बिरही चाड़े के समीप अनियंत्रित होकर सड़क से खाई की ओर लटक गई। इसी बीच चालक अनूप की तरफ से गाड़ी का दरवाजा खुलने से अनूप अंधेरा होने की वजह से अलकनंदा नदी में जा गिरा। अनूप की पत्नी तृप्ति गाड़ी में ही सुरक्षित थी। घटना की सूचना मिलने पर चमोली कोतवाली से पुलिस व एसडीआरएफ द्वारा मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान चलाया गया। चालक की (शेष पृष्ठ सात पर)

भाजपा ने जनता से किये हर वायदे को किया पूरा: गौतम

भाजपा प्रदेश प्रभारी ने प्रबुद्ध वर्ग के साथ बजट पर की चर्चा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने हमेशा जनता से किये हर वायदे को पूरा कर अपना वचन निभाया है। साथ ही साथ उत्तराखण्ड की जनता ने भी श्री मोदी से राज्य की सभी पांचों लोकसभा सीटों पर विजयी बनाने का जो वायदा किया था उसे पूरा कर अपना वचन निभाया। इसके लिए वह देवभूमि वासियों का आभार व्यक्त करते हैं यह बात

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री व उत्तराखण्ड प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम ने आज यहां भाजपा द्वारा आयोजित बजट 2024-25पर प्रबुद्ध वर्ग के साथ विचार गोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि अपने सम्बोधन में कही। उन्होंने कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार ने बिना किसी भेदभाव के देश के सभी राज्यों का विकास किया है। समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए कई योजनायें धरातल पर उतारकर इसका लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि समान नागरिकता कानून, नकल विरोधी कानून, महिला आरक्षण, धर्मांतरण व लैंड जिहाद के खिलाफ कानून, देश में सड़कों व रेलों का जाल, करोड़ों युवाओं को रोजगार सहित तमाम ऐसी उपलब्धियों से भाजपा सरकार से जुड़ी हुई हैं। श्री गौतम ने कहा कि देश के किसानों की हर समस्या का समाधान करने के लिए केन्द्र सरकार सदैव तत्पर रही है। आर्थिक विकास के लिए लघु व बड़े उद्योगों को प्रोत्साहित किया गया। श्री (शेष पृष्ठ सात पर)

गुलदार का शव मिलने से हड़कम्प

कालाढूंगी(उद संवाददाता)। कालाढूंगी रेंज अंतर्गत गुलजारपुर में एक नर गुलदार का शव मिलने से वन विभाग में हड़कम्प मच गया। गुलदार के शरीर में चोट का निशान मिले है। गुलदार की मौत किसी वाहन की चपेट में आने या अन्य किसी हादसे की वजह से होना माना जा रहा है। शनिवार को गुलजारपुर के प्रधान ने वन विभाग के अफसरों को तुरई के एक खेत में नर गुलदार का शव पड़ा होने की सूचना दी। क्षेत्रीय वन अधिकारी मुकेश जोशी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और गुलदार के शव को कब्जे में लिया। नर गुलदार की उम्र करीब चार साल मानी जा रही है। गुलदार के शरीर पर चोट का निशान है। उसके सभी अंग सुरक्षित मिले हैं। डीएफओ दिगंत नायक

और एसडीओ किरन साह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने निरीक्षण कर जांच की। उन्होने बताया कि नर गुलदार की उम्र लगभग चार साल है प्रथम दृष्टया मौत का कारण आपसी संघर्ष या किसी वाहन की चपेट में आकर होना प्रतीत हो रहा है। उन्होने बताया शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। गुलदार की मौत किन कारणों से हुई है। ये पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के आने के बाद ही पता चल सकेगा।

नुमाईश में तलवारबाजी करने वाले दो बदमाश दबोचे

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। बीते दिनों नुमाईश में तलवार से युवक पर जानलेवा करने के दो आरोपियों को एसओजी और पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपित उधम सिंह नगर के हैं। जिसमें एक गैंगस्टर और दूसरा किच्छा थाने का हिस्ट्रीशीटर है। एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा ने बताया कि 20 जुलाई को एमबी इंटर

कॉलेज में नुमाइश के दौरान आईटीआई गैंग ने जमकर अराजकता की। वाहन पार्किंग को लेकर कार सवारों के ऊपर जानलेवा हमला किया था। हमलावरों ने एक युवक के सिर पर तलवार मार दी थी। हमले के बाद आरोपित फरार हो गए थे। इस मामले में आईटीआई गैंग के सरगना देवेंद्र बिष्ट और कमल को गिरफ्तार कर लिया गया था। बाकी फरार आरोपितों की तलाश की जा रही थी। शुक्रवार को पुलिस और एसओजी ने उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के पास से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में इन्होंने अपना नाम ग्राम अंजनियां फार्म थाना, पुलभट्टा निवासी सिमरनदीप सिंह व लालपुर किच्छा निवासी आशुतोष भंडारी बताया। कहा कि इनकी दोस्ती हल्द्वानी जेल में देवेंद्र बिष्ट से हुई थी। युवक पर तलवार से हमला करने के बाद दोनों कार से (शेष पृष्ठ सात पर)

2.8 करोड़ की ठगी में शातिर नामजद

काशीपुर(उद संवाददाता)। कोतवाली पुलिस ने 2 करोड़ 8 लाख रूपए की ठगी किए जाने के एक हैरतअंगेज मामले में मुरादाबाद निवासी एक व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है। प्रकरण के बारे में पुलिस को तहरीर देकर यादव सभा के पास मोहल्ला ओझान काशीपुर निवासी भगवान दास पुत्र बाबूराम ने बताया कि देवीपुरा मुरादाबाद उत्तर प्रदेश निवासी विक्की कुमार प्रजापति पुत्र ओम प्रकाश ने उसे विश्वास में लेकर बताया कि वह खुद का मान्यता प्राप्त बैंक संचालित करता है। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि ब्याज (शेष पृष्ठ सात पर)

बदहाल सड़कों को लेकर चुघ ने निगम में सौंपा ज्ञापन

रुद्रपुर(उद संवाददाता)।शहर की बदहाल सड़कों के जीर्णोद्धार को लेकर वरिष्ठ भाजपा नेता भारत भूषण चुघ ने नगर निगम में पहुंच कर प्रभारी नगर आयुक्त शिप्रा जोशी को ज्ञापन सौंपा। दिए गए ज्ञापन में चुघ ने बताया कि अंबिका विहार भूरारानी में सड़कों की हालात बदहाल हो चुकी है ।जहां बरसात होने के

बाद जल भराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। हालात यह हो जाते है कि वहां से लोगों का निकलना भी दूभर हो जाता है। पिछले दिनों जल भराव के कारण करंट लगने से एक गाय की मौत भी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि अंबिका विहार भूरारानी में दो स्कूल संचालित हो रहे हैं जहां सैकड़ो की संख्या में बच्चे शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते हैं। ऐसे में यदि जलभराव से निजात दिलाकर सड़कों का सुधारीकरण नहीं किया गया तो कोई भी हादसा हो सकता है। चुघ ने कहा कि रामपुर रोड स्थित सोनिया होटल से लेकर प्रीत विहार तक डेढ़ सौ मीटर सड़कों में गड्ढे ही गड्ढे हैं। जहां लोगों का चलना भी मुहाल हो चुका है ।आए दिन इन सड़कों पर हादसे होते रहते हैं ।ऐसे में यह 150 मीटर की सड़क का निर्माण किया जाए ताकि लोगों को राहत (शेष पृष्ठ सात पर)

कत्ल के लिए दी तीस लाख की सुपारी,दहशत में परिवार

काशीपुर(उद संवाददाता)। मोबाइल फोन पर अज्ञात शख्स द्वारा एक व्यक्ति को पिछले लगभग दो माह के करीब से लगातार मोबाइल फोन पर मौत के घाट उतारने की धमकी दी जा रही है। इस मामले में लगभग दो माह बाद पुलिस की तंद्रा टूटी। पुलिस ने फिलहाल अब तक मुकदमा दर्ज करने की कार्यवाही की है। घटना के बारे में पुलिस को तहरीर देकर छीना फॉर्म ढकिया गुलाबो निवासी तनुज पुत्र सुरेश कुमार ने बताया कि धमकी देने वाले व्यक्ति ने व्हाट्सएप के माध्यम से उसे जान से मारने की धमकी दी है। धमकी देने वाले व्यक्ति ने उसके घर का फोटो भेजकर व्हाट्सएप मैसेज के माध्यम से धमका रहा है और कह रहा है कि श्यही घर है ना तेरा, कैमरा लगा ले, दिक्कत मत ले, मरने वाला है तू और जो मार रहा है तेरे को, 30 लाख दिया है उसको, 30 तारीख से पहले खत्म, अब तू किसी के पास भी चला जा।श्तनुज ने बताया कि वह दिनांक बीते 14 मई से लगातार उक्त नम्बर व धमकी देने वाले व्यक्ति के खिलाफ प्रार्थना पत्र देने के बाद से ही कोतवाली काशीपुर के चक्कर लगा रहा है परन्तु कोतवाली पुलिस ने उसके प्रार्थना पत्र पर कोई कार्यवाही नहीं की और उसे समझा बुझाकर वापस भेज दिया। उसने (शेष पृष्ठ सात पर)

कभी नहीं भुलाएगें वीरभूमि के 75 सपूतों का बलिदान : धामी

❑शहीद सैनिकों के परिजनों की अनुग्रह अनुदान राशि 50 लाख करने का ऐलान
❑ 25वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने की चार अहम घोषणाए

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कारगिल विजय दिवस (शौर्य दिवस) पर गांधी पार्क में आयोजित कार्यक्रम में शहीद स्मारक पर कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कारगिल शहीदों के परिवारजनों को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर सैनिक कल्याण मंत्री श्री गणेश जोशी, कैबिनेट मंत्री श्री प्रेमचन्द अग्रवाल, विधायक श्रीमती सविता कपूर, श्री बृजभूषण गैरोला और निवर्तमान मेयर श्री सुनील उनियाल गामा ने भी शहीद स्मारक पर कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि दी। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने चार अहम घोषणाएं की। उन्होंने घोषणा की कि राज्य में शहीद सैनिकों के परिजनों को मिलने वाली अनुग्रह अनुदान राशि 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 50 लाख रुपए की जाएगी। शहीद सैनिक के परिजनों को सरकारी नौकरी के लिए आवेदन करने की अवधि को 02 साल से बढ़ाकर 05 साल किया जाएगा। शहीद सैनिकों के आश्रितों को अब जिलाधिकारी कार्यालयों में समूह 'ग' और समूह 'घ' के अलावा अन्य विभागों में भी समूह 'ग' और समूह 'घ' के पदों पर नियुक्ति प्रदान की जाएगी। सैनिक कल्याण विभाग में कार्यरत संविदा कर्मियों को उपनल कर्मियों की भांति अवकाश प्रदान किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कारगिल युद्ध में माँ भारती की रक्षा के लिए हमारे वीर जवानों ने पराक्रम और अदम्य साहस का परिचय दिया। भारतीय सैनिकों ने कारगिल युद्ध में जिस प्रकार की विपरीत परिस्थितियों में वीरता का परिचय देते हुए घुसपैठियों को सीमा पार खदेड़ा, उससे पूरे विश्व ने भारतीय सेना का लोहा माना। कारगिल युद्ध में देश की सीमाओं की रक्षा के लिए वीर सैनिकों के बलिदान को राष्ट्र हमेशा याद रखेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कारगिल की यह विजय गाथा भी उत्तराखंड के वीरों के बिना अधूरी है। कारगिल में अपने 75 वीर सपूतों का बलिदान ये वीरभूमि कभी नहीं भुलाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सैनिक पुत्र होने के नाते उन्होंने बचपन से ही एक सैनिक और उसके परिवार के संघर्ष को देखा है। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध के समय अटल बिहारी वाजपेयी जी प्रधानमंत्री थे। हमने युद्ध भी जीता और वैश्विक स्तर पर कूटनीति में भी जीते।अटल जी ने शहीदों का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव में राजकीय सम्मान के साथ करने की व्यवस्था की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रयासों से सेना न केवल पहले से और अधिक सक्षम व सशक्त हो रही है बल्कि उसकी यश और कीर्ति भी बढ़ रही है। हमारी सरकार जहां एक तरफ सेना के आधुनिकीकरण पर बल दे रही है, वहीं सैनिकों और उनके परिवारों को मिलने वाली सुविधाओं को भी बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री जी निरंतर सैनिकों के साहस और मनोबल को बढ़ा रहे हैं और यही कारण है कि सेना आज गोली का जवाब गोले से दे रही है। आज भी प्रधानमंत्री ने कारगिल वॉर मेमोरियल, लद्दाख में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अग्निवीरों को सरकारी सेवाओं में आरक्षण देने के लिए एक्ट लाया जाएगा। कार्यक्रम में सचिव सैनिक कल्याण श्री दीपेंद्र चौधरी, मेजर जनरल सम्मी सबरवाल (से.नि), लेफ्टिनेंट जनरल अश्वनि कुमार (से.नि), मेजर जनरल के.एस राणा (से.नि), ब्रिगेडियर कीर्ति बहल (से.नि), ब्रिगेडियर हरीश सेट्ठी (से.नि), निदेशक सैनिक कल्याण ब्रिगेडियर अमृत लाल (से.नि), एमडी उपनल ब्रिगेडियर जे.एस. बिष्ट (से.नि), जिलाधिकारी देहरादून श्रीमती सोनिका, एसएसपी देहरादून श्री अजय सिंह एवं अन्य सैन्य अधिकारी, पूर्व सैनिक और शहीदों के परिवारजन उपस्थित थे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया शौर्य दिवस

हल्द्वानी (उद संवाददाता) कारगिल शौर्य दिवस पूरे हर्षोल्लास के साथ जिले भर में मनाया गया। मुख्य समारोह शहीद पार्क मे आयोजित किया गया। एसएसपी पीएन मीणा, नगर आयुक्त विशाल मिश्रा, अपर जिलाधिकारी पीआर चौहान, सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी, उपजिलाधिकारी परितोष वर्मा, निवर्तमान मेयर डा. जोगेन्दर पाल सिंह रौतेला, मेजर जनरल सेनि इन्द्रजीत सिंह, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल सेनि रमेश सिह के साथ ही पूर्व सैनिकों व शहीद सैनिकों की वीर नारियों ने शहीद पार्क में आयोजित कार्यक्रम में कारगिल शहीदों के स्तंभ पर पुष्पचक्र अर्पित किए तथा दो मिनट का मौन रखकर कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि दी। लाल बहादुर शास्त्री सभागार में विभिन्न स्कूली विद्यालयों द्वारा देशभक्ति से ओत प्रोत गीत, नृत्य व नाट्य की प्रस्तुति दी जिसे देखकर उपस्थित जन भाव विभोर हो गई। वीर सपूतों की शहादत की शौर्य गाथा को सुनकर लोगों की आँखे नम हुई। दरअसल 1999 में पाकिस्तानी घुसपैठिए आतंकवादी और सैनिक चोरी छिपे कारगिल की पहाड़ियों में घुस आए थे। इस घुसपैठ के खिलाफ भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन विजय शुरू किया और एक एक घुसपैठिए को मौत के घाट उतार दिया या भागने पर मजबूर कर दिया। 26 जुलाई 1999 ही वह दिन था जब भारतीय सेना ने कारगिल की पहाड़ियों को घुसपैठियों के चंगुल से पूरी तरह छुड़ा लिया और ऑपरेशन विजय के पूरी तरह से सफल होने की घोषणा की गई।शौर्य दिवस कार्यक्रम में शॉल ओढ़ाकर कारगिल शहीद सैनिकों की वीर नारी जयंती देवी पत्नी लांसनायक रामप्रसाद, अनिता भण्डारी पत्नी लां. नायक सेना मेडल, चन्दन सिंह तथा उमा देवी पत्नी सिपाही मोहन सिंह को सम्मानित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी पीआर चौहान ने बताया कि भारतीय इतिहास का यह वो महत्वपूर्ण दिन है जिस दिन हमारे देश के महान वीर सपूतां ने हंसते हंसते मातृभूमि की रक्षा करते हुये अपने प्राणो का बलिदान देकर 26 जुलाई 1999 को कश्मीर के कारगिल जिले मे पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेडा था।भारतीय सेना ने आपरेशन विजय संचालित कर आज से 25 वर्ष पूर्व ये महान उपलब्धि हासिल की थी। कारगिल युद्ध में हमारे लगभग 500 वीर योद्धा शहीद हुये थे। इस पूरे युद्व मे उत्तराखण्ड के 75 जवान शहीद हुये थे।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पीएन मीणा ने कहा कि हमारे देश की अखण्ड़ता और सम्प्रभुता को अक्षुण रखने में भारतीय सैनिकों के शौर्य, पराक्रम और साहस की अहम भूमिका है। वे देश का अभिमान हैं। उन्होंने कहा सैनिकों से हमें सीख लेनी चाहिए कि वे किस प्रकार पूरी निष्ठा से कार्य करते है उसकी सीख देश के हर आम व्यक्ति को लेनी चाहिए। कार्यक्रम में बियरशिबा सीनियर सैकेन्डरी स्कूल, सेंट थेरेसा, सेंटपाल सीनियर सेकेन्डरी स्कूल, खालसा नेशनल बालिका इन्टर कालेज, केवीएम सीनियर सैकेंडरी स्कूल के साथ ही एनसीसी के छात्र छात्राओं द्वारा देश भक्ति गीतों का रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम मे जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल सेनि. रमेश सिंह, कर्नल सेनि बीडी काण्डपाल, कर्नल सेनि एमएस चौहान, मेजर सेनि बीएस रौतेला, कैप्टन सेनि पीएस भण्डारी, कैलाश चन्द्र, एस बिष्ट, एनएस बोरा, जेएस बोरा, हरीश कुमार, प्राचार्य एनएस बनकोटी, आर्मी कैंट से ले.कर्नल दीपक कुमार के साथ ही बडी संख्या में पूर्व सैनिक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कैप्टन सेनि. पुष्कर सिंह भण्डारी द्वारा किया गया।

नीति आयोग की बैठक में शामिल होंगे सीएम धामी

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शुक्रवार से अगले दो दिन नई दिल्ली प्रवास पर रहेंगे। शनिवार को वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली नीति आयोग की बैठक में शिरकत करेंगे। इसके लिए मुख्य सचिव राधा रतूड़ी और सचिव नियोजन आर मीनाक्षी सुंदरम भी नई दिल्ली पहुंच गए हैं। नई दिल्ली पहुंचकर मुख्यमंत्री भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और प्रदेश प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम से मुलाकात की। इस दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट भी मौजूद थे। उनके बीच राज्य के विकास और राजनीति से जुड़े समसामयिक विषयों पर चर्चा हुई। प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष व अन्य केंद्रीय नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं। नई दिल्ली रवाना होने से पूर्व मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि नीति आयोग की बैठक में राज्य से जुड़े विषयों को रखेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सीएम कान्क्लेव होगी, जिसमें राज्यों के मुद्दों पर चर्चा होगी। मुख्यमंत्री कार्यालय और नियोजन विभाग ने नीति आयोग की बैठक में उठाए जाने वाले विषयों का वक्तव्य तैयार कर लिया है। मुख्यमंत्री से एक-एक विषय पर चर्चा के बाद उन्हें अंतिम रूप दिया गया। मुख्यमंत्री फ्लोटिंग पापुलेशन के हिसाब से ढांचागत सुविधा के लिए विशेष केंद्रीय सहायता, पर्वतीय राज्यों के लिए विकास का अलग मॉडल, राज्य की दोगुनी जीडीपी के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बनाए गए विकास के रोडमैप के लिए मार्गदर्शन और सहयोग का मुद्दा उठाएंगे। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि राज्य के जो भी अग्निवीर लौटेंगे उनकी राज्य सरकार विभिन्न विभागों में सेवाएं लेंगी। राज्य सरकार ने यह निर्णय लिया है।

रोजी रोटी के लिए हजारों फैक्ट्री श्रमिकों की मौत से जंग

कैलाश नदी में पुल की कमी, नदी में जल पर व्हाट्सएप ग्रुप से रख रहे नजर,नदी में डूबकर हर वर्ष जान गंवा रहे फैक्ट्री मजदूर

(हनीफ बाबा)

सितारगंज। कैलाश नदी में पुल का निर्माण नहीं होने से नानकमत्ता क्षेत्र के हजारों फैक्ट्री मजदूर नदी में जान जोखिम में डालकर दो जून की रोटी कमाने पर मजबूर है। नदी में अधिक पानी आने पर इनके घरों के चूल्हे ठंडे पड़ जाते है। इनमें से अधिकांश मजदूरों को सिडकुल में मिलने वाले रोजगार से भी हाथ धोना पड़ता है। अगर किसी मजदूर को मजबूरन फैक्ट्री में काम के लिए पहुंचना पड़ता है तो उसे नदी की बाढ़, मगरमच्छ आदि से जंग लड़कर बीबी बच्चों का पेट भरना पड़ता है। इस कारण कई मजदूरों की अब तक नदी में डूबकर मौत भी हो चुकी है। लेकिन जिम्मेदारों और फैक्ट्री प्रबंधन ने मजदूरों के हित में अभी तक पुल के निर्माण में कोई सहयोग नहीं किया है। सितारगंज से 10 किलोमीटर की दूरी पर सिडकुल फेस वन, फेस टू का निर्माण इसी उद्देश्य से कराया था कि आसपास के लोगों को सुरक्षित रोजगार प्राप्त हो सके। लेकिन नानकमत्ता विधानसभा क्षेत्र के फैक्ट्री मजदूरों को रोजगार प्राप्त करने के लिए कैलाश नदी में जान जोखिम में डालकर बीबी बच्चों के लिए रोजी, रोटी कमानी पड़ रही है। कैलाश नदी के पार बसे ग्राम नलई के ग्राम प्रधान ललित कुमार आर्य ने बताया कि ग्राम सिसईखेड़ा, लामाखेड़ा, कैथुलिया, बिचई, नगला, सरोजा, आदि गांव से सिडकुल की फैक्ट्री में हजारों लोग मजदूरी करने आते हैं। इन लोगों को फैक्ट्री तक पहुंचाने के लिए बीच में पढ़ने वाली कैलाश नदी की बाढ़ और नदी में विचरण करने वाले मगरमच्छों से सामना करना पड़ता है। तब जाकर यह ग्रामीण बीवी बच्चों के लिए दो जून की रोटी का प्रबंध कर पाते हैं। रोजगार के लिए उनके इस संघर्ष के कारण कई फैक्ट्री मजदूरों की कैलाश नदी में डूब कर मौत भी हो गई है। इस कारण लगातार ग्रामीण क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से कैलाश नदी में पुल निर्माण की मांग कर रहे हैं। पुल निर्माण के लिए फैक्ट्री प्रबंधन की तरफ से भी फैक्ट्री मजदूरों के हित में कोई सहायता नहीं दी जाती है। पूर्व विधायक प्रेम सिंह राणा के व्यस्त होने के कारण उनसे बात नहीं हो सकी।

> कैलाश नदी पर पुल निर्माण के लिए 29 करोड़ का प्रोजेक्ट तैयार किया गया है। विधानसभा में भी यह प्रश्न उठाया गया है। लेकिन पुल निर्माण के लिए सरकार बजट अवमुक्त करेगी।
>
> **गोपाल सिंह राणा, विधायक नानकमत्ता**

पुल निर्माण से 5 किमी रह जायेगी 40 किमी की दूरी

सितारगंज। कैलाश नदी में पुल निर्माण के बाद फैक्ट्री की दूरी लगभग 5 किलोमीटर दूर रह जाएगी। जबकि नदी में बाढ़ आने के कारण फैक्ट्री मजदूरों को 40 किलोमीटर का सफर तय कर फैक्ट्री पहुंचना पड़ता है। इससे उन्हें आर्थिक नुकसान होता है। जिसका फैक्ट्री प्रबंधन से उन्हे कोई लाभ नहीं मिल पाता। हर वर्ष उकरोली गांव की आवासीय, कृषि भूमि नदी में समा रही है। जिससे ग्रामीण भूमिहीन भी हो रहे है। इसके अलावा नदी की बाढ़ से उकरोली गांव को भी खतरा उत्पन्न हो रहा है।

व्हाट्सएप ग्रुप में देते है नदी की बाढ़ की सूचना

सितारगंज। नानकमत्ता क्षेत्र के फैक्ट्री मजदूरों ने कैलाश नदी में पानी की नियमित निगरानी के लिए सोशल मीडिया पर व्हाट्सएप ग्रुप बना रहा है। जिसमें आपसास के लोगों के साथ ही फैक्ट्री मजदूर भी जुड़े है। इस ग्रुप में नदी में पानी कितना है, खतरा तो नही इस तरह की जानकारी अपलोड की जाती है। फैक्ट्री में काम करने वाले सरोंजा निवासी मंगत सिंह ने बताया कि ग्रुप का उद्देश्य यह है कि किसी की भी पानी में डूबकर मौत न हो सके। कैलाश नदी में डूब कर हर वर्ष फैक्ट्री मजदूर और ग्रामीण जान गवा रहे हैं।

बहुगुणा ने सूखी नदी पर पुल से खोले रोजगार के रास्ते

सितारगंज। नानकमत्ता विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण शक्तिफार्म सुखी नदी पुल निर्माण की तर्ज पर कैलाश नदी में भी पुल निर्माण की मांग कर रहे हैं। सुखी नदी में कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा के प्रयासों से पुल का निर्माण कराकर शक्तिफार्म से सिडकुल की दूरी शून्य कर दी गई। अब बरसात में शक्ति फार्म के मजदूर पुल के रास्ते से सुरक्षित और कुछ ही पल में सिडकुल की फैक्ट्री में रोजगार के लिए पहुंचते हैं। पुल निर्माण होने से शक्तिफार्म क्षेत्र की भूमि के दाम भी आसमान छूने लगे।

निवर्तमान पार्षद पति व उसके परिजनों पर जानलेवा हमला करने का आरोप

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। रम्पुरा निवासी एक महिला ने वार्ड के निवर्तमान पार्षद पति व उसके परिजनों तहरीर में कहा है कि 26 जुलाई रात्रि करीब 12:30 बजे रम्पुरा वार्ड 22 में रहने वाला निवर्तमान पार्षद, उसके कई

पर धारदार हथियारों तथा लाठी डंडों से जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है। उर्मिला पत्नी महेन्द्र निवासी रम्पुरा वार्ड 22 ने पुलिस को लिखी परिजनों ने उसके पुत्र रोहित कोली के उपर धारदार हाथियसा तलवार, कापा, लाठी डन्डो से घर के पास बुरी तरह मारापीट उसको गम्भीर रूप से घायल कर दिया। हल्ला होने पर वह अपने पति महेन्द्र घर से निकल कर पुत्र को बचाने लगी तो पार्षद पति ने उसको बाल पकड़कर जमीन पर गिराकर बुरी तरह मारा। इसी दौरान उसके नॉक की सोने की लॉग व कान के सोने की कुन्डल भी पार्षद की घर की औरत खीचकर ले गई। उसके पति को भी जमीन पर गिराकर लात घुसो से पार्षद पति के भान्जे ने मारा। पार्षद पति बोला चौकी रम्पुरा की पुलिस उसके इशारो पर चलती है। उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता है। उसने पडोस में रहने वाला लड़का जोकि हमें बचा रहा था। उसको चौकी में पकड़कर दे दिया। चौकी के अन्दर पुलिस के सामने पार्षद पति ने उसको मारा भी है। उर्मिला का कहना है कि इस घटना में उसे व उसके परिजनों को चोटें आई हैं। जिसका जिला चिकित्सालय में उपचार कराया गया।

भाजपा प्रदेश प्रभारी का किया स्वागत

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। प्रबुद्ध वर्ग विचार गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे राष्ट्रीय महामंत्री एवं भाजपा प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम का डिसेबल्ड स्पोर्टिंग सोसायटी के प्रदेश अध्यक्ष भारत भूषण चुघ एवं प्रदेश सचिव हरीश चौधरी के नेतृत्व में पदाधिकारियों द्वारा अंग वस्त्र पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया ।डिसेबल्ड स्पोर्टिंग सोसायटी के प्रदेश अध्यक्ष भारत भूषण चुघ ने कहा कि दिव्यांगजनों के जीवन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से बजट में विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं के जरिए प्रमुख कार्यक्रमों को जारी रखने और विस्तार देने पर जोर दिया गया है।बजट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम को समर्पित है, जिसके तहत इस वित्त वर्ष में 615.33 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। जिससे आने वाले समय में दिव्यांगजनों को सशक्तिकरण कर उन्हे मुख्य धारा से जोडने में मदद मिलेगी।।

आवश्यकता है

जिला रुद्रपुर में विद्युत कार्य एवं मीटर लगाने हेतु

क्र.	पद नाम	पदों की संख्या	वेतन प्रतिमाह
1	हेल्पर	250	20,000.00
2	इलेक्ट्रीशियन (आई.टी.आई)	250	30,000.00
3	इलेक्ट्रिकल (डिप्लोमा होल्डर)	50	40,000.00

-सम्पर्क करें-

कंठ किशोर दीक्षित, मो.नं.9161979836

उद्योगों के गंदे पानी की सफाई के लिए लगेगा ट्रीटमेंट प्लांट

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। जिला गंगा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में लेते हुए जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने नगर निगम काशीपुर की एसटीपी कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये, साथ ही रूद्रपुर में एफएसटीपी को सुचारू चलाने के निर्देश सहायक नगर आयुक्त को दिये। सहायक नगर आयुक्त ने बताया कि रूद्रपुर में 125 केएलडी क्षमता का एफएसटीपी बनाया गया है जो संचालित है, जिसमें अभी 30 केएलडी फीकल स्लज जाता हैं जिस पर जिलाधिकारी ने रूद्रपुर से लगे निकायों का फीकल स्लज भी रूद्रपुर में बने एफएसटीपी में डालने के निर्देश दिये साथ ही रूद्रपुर नगर निगम क्षेत्र में जितने भी सेफ्टी टैंक है व फीकल सलज ले जाने वाले प्राईवेट वाहनों को चिन्हित करें व वाहनों में जीपीएस लगाकर टेगिंग करने के निर्देश दिये ताकि फीकल सलज को एफएसटीपी में ही डाले। उन्होने सभी निकायों को लीगेसी वेस्ट का आंकलन कर सूचना देना सुनिश्चित करें। सहायक नगर आयुक्त रूद्रपुर ने बताया कि नगर निगम रूद्रपुर में 90 प्रतिशत लीगेसी प्रोसेसिंग कर ली गयी है साथ ही किच्छा में 5 है0 भूमि

चिन्हित कर इंटिग्रेटेड सॉलिड वेस्ट प्लांट की डीपीआर बनाई जा रही है, तथा काशीपुर में भी शत-प्रतिशत लीगेसी वेस्ट प्रोसेस कर लिया गया है तथा काशीपुर नगर निगम फ्रेसवेस्ट का घर-घर कूड़ा उठान, सेग्रिगेशन, प्रोसेंसिग का इंटिग्रेटेड सॉलिड वेस्ट प्लांट का टेंडर कर दिया गया है। कार्य शीघ्र प्रारम्भ कर दिया जायेगा। जिलाधिकारी ने सभी नगर निकायों को घर-घर कूड़ा उठान के साथ ही सेग्रिकेशन व प्रोसेसिंग करने के निर्देश दिये। उन्होने बताया कि 25-25 मृत पशुओं के डिस्पोजल हेतु रूद्रपुर व काशीपुर में कारकश प्लांट की डीपीआर बनाई जा रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि कल्याणी नदी के पुर्नजीवन एवं अपने मूल स्वरूप में लाने के लिए जिला प्रशासन, राजस्व विभाग, नगर निगम एवं सिचांई विभाग द्वारा संयुक्त अभियान चलाकर कार्य किया जा रहा है। अधि शासी अभियंता सिंचाई व सहायक नगर आयुक्त ने बताया कि कल्याणी नदी की सफाई गतिमान है साथ ही बताया कल्याणी नदी के लगभग 600 अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर दिया गया है। जिलाधिकारी ने सिडकुल औद्योगिक क्षेत्र में औद्योगिक इकाइयों के गंदे पानी के ट्रीटमेंट हेतु ट्रीटमेंट प्लांट प्रस्तावित करने के निर्देश दिये ताकि कल्याणी नदी में ट्रीटमेंट के उपरांत ही औद्योगिक इकाईयों का पानी नदी में आये तथा सहायक श्रमायुक्त को आरएम सिडकुल के साथ वार्ता कर औद्योगिक आस्थानों का ट्रीटेड पानी का पुर्न उपयोग करने की योजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होने गदरपुर में संचालित बायोमेडिकल वेस्ट प्लांट का निरीक्षण करने के निर्देश सीएमओ दिये। बैठक में डीएफओ यूसी तिवारी, सीएमओ डॉ0 मनोज शर्मा, उपजिलाधिकारी मनीष बिष्ट, ओसी कलेक्ट्रेट गौरव पाण्डे, अधिशासी अभियंता सिंचाई पीसी पाण्डे, नामित सदस्य डॉ0 आशुतोष पंत, सहायक नगर आयुक्त राजू नबियाल सहित ईओ नगर पालिका/नगर पंचायत मौजूद थे।

बहन की हत्या के दोषी दो सगे भाईयों की सजा उम्रकैद में बदली

हल्द्वानी। बहन की हत्या में निचली अदालत से दो सगे भाइयों को मिली फांसी की सजा को हाईकोर्ट ने उम्रकैद में तब्दील कर दिया है। मृतका के ममेरे भाई को कोर्ट ने सबूतों के अभाव में बरी कर दिया है। न्यायमूर्ति रवींद्र मैठाणी एवं न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की खंडपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश शंकर राज ने मृतका के दो सगे भाइयों कुलदीप, अरुण और ममेरे भाई राहुल को दोषी मानते हुए फांसी की सजा सुनाई थी। अपने आदेश की पुष्टि के लिए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश शंकर राज ने इसे हाईकोर्ट में भेजा था। खानपुर (हरिद्वार) थाना क्षेत्र के शाहपुर निवासी प्रीति ने वर्ष 2014 में धर्मपुर गांव निवासी ब्रजमोहन के साथ प्रेम विवाह किया था। परिजन इस शादी के खिलाफ थे। 18 मई 2018 को प्रीति खानपुर थाना क्षेत्र के अब्दीपुर गांव में अपने मामा संतरपाल के घर आई थी जहां धारदार हथियार से गला रेतकर उसकी हत्या कर दी गई थी। उसके पति ब्रजमोहन ने उसके सगे भाइयों कुलदीप और अरुण के अलावा ममेरे भाई राहुल के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था।

गोदाम और फ्लैट किराये हेतु उपलब्ध

- 5000,10,000 एवं 20,000 वर्ग फिट में बने गोदाम उपलब्ध हैं।
- मैट्रोपोलिस एवं सामिया में 2 एवं 3 बीएचके के फ्लैट उपलब्ध हैं।

-सम्पर्क करें-

9568300033
9568300015

सियासी अखाड़े में तब्दील हुआ व्यापार मंडल चुनाव, बेहड़ अड़े

किच्छा व्यापार मण्डल चुनाव को लेकर 21 सदस्यीय सद्भावना समिति का गठन

किच्छा(उद संवाददाता)। नगर व्यापार मंडल के चुनाव को लेकर जिस प्रकार शहर का माहौल खराब करने का प्रयास किया गया उसको देखते हुए नगर के तमाम संभ्रांत नागरिकों द्वारा सभी समुदाय के प्रतिनिधियों को लेकर एक 21 सदस्यीय सद्भावना समिति का गठन किया है जो कि एक गैर राजनीतिक समिति होगी तथा शहर पर किसी भी प्रकार की शांति व्यवस्था को भंग करने के प्रयास को विफल करेगी। हांलाकि चुनाव पर रोक लगाये जाने को लेकर विधायक तिलकराज बेहड़ अब भी अड़े हुए है। यहां रुद्रपुर रोड स्थित एक निजी होटल में शहर के तमाम संभ्रांत नागरिकों की बैठक आहूत की गई जिसमें शहर में शान्ति व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में कई प्रस्ताव लाए गए तथा एक सद्भावना समिति का गठन किया गया जिसमें 21 सदस्य बनाए गए। समिति का संयोजक वरिष्ठ समाजसेवी दिनेश भाटिया को बनाया गया तथा कई प्रस्ताव पास किए गए। पास किए गए प्रस्ताव में सर्वप्रथम प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल चुनाव को लेकर जिस प्रकार शहर का माहौल खराब किया गया उसकी कड़े शब्दों में निंदा की गई तथा एक अन्य प्रस्ताव लाकर अपील की गई कि व्यक्तिगत आक्षेप लगाने का प्रयास कोई भी ना करे जिससे शहर का माहौल खराब हो यह भी प्रस्ताव लाया गया कि भविष्य में व्यापार मंडल का राजनीतिकरण न करने दिया जाएगा। समिति द्वारा यह प्रस्ताव लाया गया है कि चुनाव संचालन समिति ,जिला व्यापार मंडल संगठन व प्रदेश संगठन चुनाव के संबंध में यदि नगर के सद्भावना समिति से सुझाव लेना चाहती है तो समिति निष्पक्ष रूप से अपने सुझाव संगठन के सामने रख सकेगी। समिति का मुख्य कार्य शांति व्यवस्था बनाने , वैमनस्यता दूर करने सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने का प्रयास करने का रहेगा। समिति के 21 सदस्यों में से 16 सदस्य मौजूद रहे जिनमें मुख्य रूप से वरिष्ठ व्यवसाय सामाजिक कार्यकर्ता राज पापनेजा, महेंद्र गोयल, गिरधारी गोयल, ग्यारसी अग्रवाल, अनिल अग्रवाल सुरेंद्र गांधी सतीश चढ़ा, एसके अरोड़ा, कमल खुराना, राजेंद्र कमरा अंकुर पपनेजा, विवेक राय ,कृष्णा राठौर ,राजू सेठिया, उपस्थित रहे जबकि पांच सदस्य अनुपस्थित रहे। देर आए दुरस्त की कहावत को चरितार्थ करते हुए जिस प्रकार नगर मे सद्भावना समिति का गठन किया गया वह सराहनीय कदम है। समिति के गठन से यह साबित होता है कि कुर्सी की खींचतान को लेकर जहां लोग शहर का माहौल खराब करने का प्रयास करते हैं वही बुद्धिजीवी लोग इसे रोकने के लिए भी तत्पर रहते है।

व्यापारी नेताओं ने बेहड़ से किया धरना समाप्त करने का आग्रह

किच्छा(उद संवाददाता)। प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष द्वारा प्रशासन को प्रेषित पत्र के माध्यम से अवगत कराया गया है कि किच्छा नगर मंडल की इकाई की घोषित चुनाव समय पर संपन्न नहीं हो पाए हैं जिसका मुख्य कारण नगर में कुछ लोगों द्वारा चुनाव को लेकर चुनाव प्रक्रिया में गतिरोध उत्पन्न करना है तथा शहर में माहौल खराब करने का प्रयास किया गया है जिस वजह से चुनाव स्थगित किए जाते हैं। उक्त आशय का पत्र लेकर गत सायं तहसीलदार गिरीश त्रिपाठी द्वारा उप जिलाधिकारी कार्यालय के सम्मुख चुनाव कराए जाने और उप जिला अधिकारी के स्थानांतरण की मांग को लेकर धरने पर बैठे क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड़ को सौंपा। प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष नवीन वर्मा महामंत्री एवं कोषाध्यक्ष के हस्ताक्षरों से प्रेषित उक्त पत्र संबंधित सभी को दिया गया है तथा प्रशासन को भी उपलब्ध कराया गया है। नगर मंडल के चुनाव को स्थगित करने के पत्र को लेकर तिलकराज बेहड़ के सम्मुख उपस्थित गिरीश त्रिपाठी ने विधायक से अपना धरना समाप्त करने का आग्रह किया गया। इस पर धरने पर बैठे विधायक तिलक राज बेहड़ ने कहा कि वह अपने वक्तव्य पर अडिग हैं। अगर प्रदेश संगठन ने चुनाव स्थगित किए हैं तो वह इस पर अध्ययन करने के बाद अवगत करा देंगे तथा उक्त मांग को अध्ययन करने के बाद वापस ले लेंगे लेकिन उप जिला अधिकारी के स्थानांतरण की मांग को लेकर धरना यथावत जारी रहेगा। उन्होंने तहसीलदार गिरिश त्रिपाठी से कहा कि जब तक उप जिला अधिकारी किच्छा का स्थानांतरण नहीं हो जाता है या कोई ठोस आश्वासन उन्हें नहीं दिया जाता वे धरने से हटने वाले नहीं हैं। प्रांतीय उद्योग नगर व्यापार मंडल के चुनाव की जिम्मेवारी उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश संगठन एवं जिला संगठन की है यदि वह स्थगित कर रहे हैं तो इस सम्बंध में कुछ भी नहीं कहना चाहते हैं तथा यह उनके निर्णय पर ही निर्भर करता है कि वह चुनाव कराए या ना करें।

राजीव सक्सेना ने आरोपों को बताया निराधार

किच्छा(उद संवाददाता)। प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष पद के दावेदार एवं भाजपा विधानसभा आईटी प्रकोष्ठ के प्रभारी राजीव सक्सेना ने उन पर लगाए गए भाजपा मंडल अध्यक्ष के आरोपों का खंडन करते हुए यहां रुद्रपुर रोड स्थित एक निजी होटल में पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा है कि उनके द्वारा व्यापार मंडल अध्यक्ष पद के दावेदार एवं प्रत्यासी गुलशन सिंधी को एक व्यापारी होने के नाते समर्थन दिया गया था ना कि कांग्रेसी होने के नाते। उन्होंने कहा कि उन पर भाजपा मंडल अध्यक्ष द्वारा लगाए गए आरोप निराधार हैं। उन्होंने भाजपा मंडल नगर अध्यक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि जब वह नगर व्यापार मंडल के अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी कर नामांकन करना चाह रहे थे तो तत समय मेरे समर्थन में आने के बजाय भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष ने एक अनजान प्रत्याशी को खड़ा करके अध्यक्ष पद का दावेदार बनाते हुए नामांकन करा दिया जबकि मेरे द्वारा सभी से समर्थन करने की एवं चुनाव

लड़ाने की प्रार्थना की गई थी। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कह रहे हैं कि वह उनका चिट्ठा खोल देंगे मैं उन सभी को यह बताना चाहता हूं कि जो मुझे इस तरीके से धमका रहे हैं तो वह भी धमकाने वाले लोगों का चिट्ठा खोल कर रख देंगे। उन्होंने कहा कि वह भाजपा के कर्मठ सिपाही हैं तथा सिपाही ही रहेंगे और भाजपा के लिए पूर्ण रूप से कार्य करते रहेंगे। यही नहीं उनका भाजपा के लिए सर्वस्व न्यौछावर है लेकिन जो लोग उन्हें भाजपा से निष्कासित करने की बयानबाजी कर रहे हैं तो मैं उनसे कहना चाहता हूं कि मेरी आस्था भाजपा में है व जीवन पर्यंत रहेगी ।केवल उनके कहने से मुझे भाजपा से निष्कासित करने जैसा कदम नहीं उठाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि जिले से लेकर प्रदेश तक भाजपा संगठन को उनके विषय में संपूर्ण जानकारी है। अलग- अलग बयान बाजी करने वालों के ही लिए नुकसानदेह है इसलिए जो लोग उनके खिलाफ बयान बाजी कर रहे हैं वह स्वयं ही अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए प्रयास कर लें।

एक फोन ने कर दिया राजेश शुक्ला का धरना समाप्त

किच्छा(उद संवाददाता)। प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष द्वारा किच्छा नगर व्यापार मंडल की इकाई के चुनाव की प्रक्रिया को स्थगित करने के पत्र के बाद तथा पूर्व विधायक राजेश शुक्ला द्वारा चलाए जा रहे धरना प्रदर्शन जिसमें चुनाव समिति को भंग करने एवं फर्जी मतों को लिस्ट से हटने सहित वर्तमान विधायक तिलक राज बेहड़ के धरने के एवज में तहसील प्रांगण में दिया जा रहा धरना समाप्त कर दिया गया। वह खासा चर्चा का विषय बना हुआ है। धरना समाप्त करने को लेकर अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय मुख्य विकास अधिकारी ,एसपी मनोज कत्याल सहित तमाम आला अधिकारी बीते चार दिनों से प्रयास कर रहे थे। किंतु धरना समाप्त नहीं हो रहा था यही नहीं शुक्रवार को दोपहर 12बजे तक स्वयं पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने भी घोषणा की थी कि व्यापार मंडल को अपने चुनाव संबंध ी प्रक्रिया के लिए प्रयास करना चाहिए यही नहीं निवर्तमान महामंत्री ने भी पूर्व विधायक राजेश शुक्ला से निवेदन किया था कि वह व्यापारियों के चुनाव के लिए अब न्यायालय तथा संगठन की शरण में जाकर अपने न्याय की मांग करेंगे। इस पर पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने सहमति व्यक्त तो कर दी थी किंतु यह कहा था कि वह अधि कारियों पर किसी को भी राजनीतिक

दबाव को बनाए जाने के खिलाफ धरने से नहीं हटेंगे तथा क्रमिक धरना जारी रखेंगे। किंतु समय के बीतने पर भाषणों के बीच में अचानक फोन कॉल ने सारी परिस्थितियों को बदल कर रख दिया और विधायक द्वारा दिए जा रहे भाषण के बीच में अचानक उनके मोबाइल पर एक घंटी बजी और वह भाषण बीच में छोड़कर ही अकेले में चले गए तथा कुछ ही देर बाद अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, उप जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्रा, एसपी मनोज कत्याल सहित तमाम अधिकारी गण एक कमरे में चले गए और कुछ ही क्षणों में धरना समाप्त करने की घोषणा कर दी गई। चर्चा इस बात की हो रही है कि आखिर किस शख्स का फोन आने के बाद तहसील प्रांगण में चल रहा धरना समाप्त कर दिया गया। क्या मुख्यमंत्री को स्वयं प्रकरण में आना पड़ा। इस चर्चा ने खासा जोर पकड़ रखा है।चर्चा है कि इस प्रकरण की पूरी जानकारी मुख्य मंत्री को दी गई थी। क्योंकि प्रकरण से कहीं न कहीं सरकार पर भी सवाल खड़े होने लग गए थी कि सत्ता पक्ष को भी धरने पर बैठना पड़ रह है।बाहर हाल ये कल्पना है पर फोन किसका था यह किसी ने नहीं बताया।

बिना टैण्डर लाखों के कार्यों को अवशेष दिखाकर निकाले टैण्डर

अधिकारियों की जांच को किनारें रख लाखों रूपये के गबन की तैयारी, बिना टैण्डर के निर्माण कार्यों की हुई थी शासन स्तर पर जांच

नानकमत्ता(उद संवाददाता)। तीन साल पूर्व हुए निर्माण कार्यो के टैण्डर निकालकर अवशेष कार्य के नाम पर नगर पंचायत नानकमत्ता में लाखों रूपयें की धांधली की जा रही है। डेढ़ वर्ष पूर्व भी इन्ही कार्यो के टैण्डर डालने का प्रयास किया गया था, लेकिन शिकायत के बाद तत्कालीन एसडीएम ने निर्माण कार्य कर निविदा निरस्त कर जांच बैंठा दी थी। लेकिन अब पुन: डेढ़ वर्ष बाद अधिकारियों को गुमराह कर नगर पंचायत ने नए काम की आढ़ में बिना टैण्डर के हुंए काम का ठेका देकर सरकार धन का ठिकाने लगाने का प्रयास किया जा रहा है। नगर पंचायत नानकमत्ता द्वारा 26 जुन को 14 निर्माण कार्य की निविदा निकाली गई थी, जिसके टैण्डर पंजीकृत ठेकेदार द्वारा डाले गए है। जिन निर्माण कार्यो के टैण्डर नगर पंचायत द्वारा निकाले गए है, उनके कुछ काम पूर्व में ही बिना टैण्डर के किए गए है। इन 14 निर्माण कार्य में 3 निर्माण कार्य अवशेष दिखाए गए हैं, जबकि जिन तीन कार्यो को अवशेष दिखाया गया है, वो निर्माण लगभग तीन वर्ष पूर्व बिना टैण्डर कें हो चुके है। निर्माण कार्य का कुछ भाग बचा है जिसकी आड़ में करीब 25 लाख रूपये के बिना टैण्डर के काम का पैसा निकालने का प्रयास किया जा रहा है। इससे पूर्व दिसम्बर 2022 में बिना टैण्डर के हुंए कार्यो की निविदा प्रकाशित की गई थी, लेकिन शिकायत पर तत्कालीन एसडीएम तुषार सैनी के आदेश पर निविदा निरस्त कर दी गई थी। बिना टैण्डर के हुंए निर्माण कार्यो के टैण्डर की शिकायत तत्कालीन विधायक डा0 प्रेम सिंह राणा व ग्रामीण जोगेन्द्र कुमार समेंत कई लोगों ने षासन व प्रशासन में की थी। जिसकी जांच में निविदा में प्रकाशित उसमें कई कार्य मौके पर पाए गए। लेकिन इसके बाबजूद नगर पंचायत ने अवशेष कार्य के नाम पर टैण्डर निकाल दिए। इससे साफ है कि उच्चधिकारियों को धोखे में रख अवशेष कार्य के नाम पर लाखों रूपये सरकारी धन के गबन का प्रयास किया जा रहा है। खबर पर एसडीएम रविन्द्र जुंवाठा से सम्पर्क करने का प्रयास किया लेकिन उनका पक्ष नही मिल पाया, पक्ष मिलने पर प्रकाशित किया जायेगा।

अवस्थापना विकास निधि के तहत निकाली गई है, कुछ अवशेष कार्य हैं, जिनका निर्माण कराया जाना है, उन्हें भी अवस्थापना विकास निधि से कराया जायेगा। निविदा प्रशासक से अनुमति लेकर निकाली गई है। टैण्डर प्रकिया पूरी तरह सही है।

प्रियंका रैंकवाल, अधिषाशी अधिकारी,नगर पंचायत नानकमत्ता

मेरे द्वारा निर्माण स्थल पर जाकर ही निर्माण से सम्बधित स्टीमेट तैयार किए गये है, अवशेष कार्य बचा है, वहां निर्माण कराया जाना है, जहां टॉयलस आदि का निर्माण होना है, टैण्डर प्रकिया में किसी तरह की कोई कमी नही है। नियमानुसार टैण्डर की प्रकिया हुई है।

अरूण सैनी, जेई, नगर पंचायत नानकमत्ता

चिकित्सालय प्रबंधन के लिए 47 .28 लाख का अनुमोदन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। जिलाधिकारी/अध्यक्ष चिकित्सा प्रबंधन समिति उदयराज सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में एलडी भट्ट उप जिला चिकित्सालय काशीपुर की चिकित्सा प्रबंधन समिति की बैठक लेते हुये कहा स्वास्थ्य सुविधाओं को और अधिक बेहतर बनाने के लिये हर संभव प्रयास किये जायेगें। उन्होने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिये कि जो दवाइयां उपलब्ध नही हो पा रही है उनकी सूची उपलब्ध कराये ताकि उन दवाइयों को महानिदेशक स्तर से मंगाई जा सकें। बैठक में समिति द्वारा चिकित्सालय प्रबंधन हेतु 47 लाख 28 हजार की धनराशि अनुमोदन किया गया। समिति ने चिकित्सालय में ओटी एवं इमरजेंसी के लिये हिस्टेरेक्टॉमी के दो सैट, एलएससीएस के तीन सैट व अन्य छोटे-मोटे उपकरण, चिकित्सालय में

स्थापित अक्रियाशील 500 एलपीएम ऑक्सीजन प्लांट को क्रियाशील करने, मरीजो के वार्डो हेतु 07 नग मॉसकीटो इनसैक्ट रैप्लेंट यूवी मशीन, चिकित्सालय कार्यालय हेतु फोटो कापियर मशीन क्रय, चिकित्सालय में रेडियोलॉजी विभाग में एक्सरे मशीन हेतु एक्सरे फिल्म खरीदने तथा चिकित्सालय हेतु एक-एक प्लम्बर, इलेक्ट्रीशियन, चौकीदार आउटसोर्स से रखने का अनुमोदन दिया। जिलाधिकारी ने चिकित्सालय में साफ-सफाई रखने के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को दिये साथ ही चिकित्सालय कैम्पस में जल भराव से निजात दिलाने हेतु कार्यवाही करने के निर्देश नगर आयुक्त काशीपुर को दिये। उन्होने विभागीय स्तर से दवाएं उपलब्ध न होने पर स्थानीय स्तर से दवा खरीद की लंबित धनराशि की जानकारी ली साथ ही निदेशालय स्तर से उपलब्ध नही हो पा रही दवाइयों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, सांसद प्रतिनिधि पीएस नेगी, एसीएमओ डॉ.एसपी सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ.खेमपाल, उप कोषाधिकारी नवीन चन्द पाण्डे, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ.राजीव पुनेठा, चीफ फार्मासिस्ट आरसी आर्य, सहायक नर्सिंग अधीक्षिका जॉय लॉयल आदि उपस्थित थे।

कारगिल विजय दिवस धूमधाम से मनाया

बाजपुर (उद संवाददाता)। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बाजपुर में राष्ट्रीय कैडेट कोर की यूनिट द्वारा कारगिल विजय दिवस बहुत धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम राजकीय महाविद्यालय बाजपुर की एनसीसी यूनिट, सीनियर विंग की अंडर ऑफिसर तनु द्वारा द्वारा परेड कर सलामी दी गई। इसके उपरांत भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें देशभक्ति गीतों द्वारा कारगिल युद्ध के शहीदों

और वीरों का स्मरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य प्रो. के. के. पांडे ने अपने वक्तव्य में कहा कि कारगिल युद्ध में देश की तीनों सेनाओं ने बहुत बहादुरी के साथ अपनी वीरता का परिचय दिया। यह उनकी बहादुरी का ही परिणाम था कि हम यह युद्ध जीत सके। इस विषय पर कई फिल्मों का निर्माण भी हुआ है जिन्हें देखकर युद्धवीरों के शौर्य से रूबरू हुआ जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. मनप्रीत सिंह ने किया गया।

मोमबत्ती जलाकर दी शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। कारगिल विजय दिवस की 25 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में कांग्रेस द्वारा शहीद पार्क में एक मोमबत्ती शहीदों के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विधायक सुमित हृदयेश के नेतृत्व में जिला महानगर कांग्रेस ने जजी कोर्ट स्थित शहीद पार्क में मोमबत्ती जलाकर कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।विधायक सुमित ने कहा कि वर्ष 1999 में पाकिस्तान के साथ हुए कारगिल युद्ध पर भारत ने अपने वीर जांबाज जवानों के दम पर ऐतिहासिक विजय हासिल की थी। कारगिल में हमने केवल युद्ध नहीं जीता था, हमने सत्य, संयम और सामर्थ का अद्भुत परिचय दिया था। सत्य के सामने असत्य और आतंक की हार हुई थी। महानगर अध्यक्ष एडवोकेट गोविंद सिंह बिष्ट ने कहा कि भारत की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले अमर शहीदों के

सर्वोच्च बलिदान के लिए देश सदैव ऋणी रहेगा। जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल ने कहा कि भारत देश के वीर जवानों का अदम्य साहस और अतुलनीय बलिदान देश सेवा के लिए हम सबको सदा प्रेरणा प्रदान करता रहेगा।श्रद्धांजलि कार्यक्रम में हेमन्त बगडवाल, योगेश जोशी, ललित जोशी, मोहन बिष्ट, सुहैल सिद्दीकी, जया कर्नाटक, राधा आर्य, सविता गुरुरानी, पिंकी पांडे, गीता बहुगुणा, कानू बिष्ट, कौशलेंद्र भट्ट, जाकिर हुसैन, सौरभ भट्ट, विनोद दानी, ज्ञान सिंह थापा, नेत्र बल्लभ जोशी, गिरीश पांडे, राजेन्द्र बिष्ट, गुरप्रीत प्रिंस, विनोद कुमार पिन्नू, संजू उप्रेती, अमित रावत, आमिर खान, कोमल जैसवाल , बबलू बिष्ट, प्रदीप बिष्ट, मोहम्मद रिजवान कृष्णा कोहली, शंकर कोहली, संतु भाई, संजय जोशी, लाल सिंह पवार, शैलेंद्र दानू, राजा फर्श्वान, पान सिंह आदि उपस्थित रहे।

मेडिकल स्टोर, मॉल और दुकानों में मारे छापे

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। मुखानी क्षेत्र में खाने पीने के सामान के साथ एक्सपायरी दवाइयां बेची जा रही हैं। इसका खुलासा खाद्य सुरक्षा और औषधि विभाग के अधिकारियों के छापे के दौरान हुआ है। छापे के दौरान करीब एक दर्जन जनरल स्टोर और मॉल में एक्सपायरी मसाले, बिस्किट, नमकीन मिली। वहीं छह मेडिकल स्टोर में एक्सपायरी दवाइयां मिली। जिसके बाद टीम ने सभी के खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए नियमों के पालन के निर्देश दिए। छापे की जानकारी मिलते ही क्षेत्र के कई दुकानदारों ने अपनी दुकानों के शटर गिरा दिए और वहां से चले गए। वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी अभय कुमार सिंह ने बताया कि खाद्य सुरक्षा के खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। अगले माह भी बड़े स्तर पर

चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने उपभोक्ताओं से जांच परख कर खाद्य पदार्थ खरीदने की अपील की। वरिष्ठ औषधि निरीक्षक मीनाक्षी बिष्ट ने सभी मेडिकल स्टोर स्वामियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि जीवनरक्षक दवाओं के बीच एक्सपायरी दवाएं रखना बड़ा अपराध है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी कैलाश चंद्र टम्टा ने एक्सपायरी खाद्य सामान मिलने पर दुकानदारों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी खामी मिली तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। छापे की कार्रवाई के दौरान संजय प्रसाद और खाद्य सुरक्षा स्टाफ मौजूद रहा।

115 प्रतिबंधित इंजेक्शनों के साथ नशा तस्कर दबोचा

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। एसएसपी के निर्देश पर नशे के विरुद्ध अपना अभियान जारी रखते हुए बनभूलपुरा थाना पुलिस ने गश्त के दौरान एक नशा तस्कर को प्रतिबंधित नशे के इंजेक्शनों के साथ गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार थानाध्यक्ष बनभूलपुरा नीरज भाकुनी के नेतृत्व में उनि शंकर नयाल, कानि. भूपेन्द्र जेष्ठा,लक्ष्मण राम, दिलशाद अहमद द्वाराथाना क्षेत्रान्तर्गत अवैध नशे के कारोबार के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत गश्त के दौरान इन्द्रानगर फाटक से आवला गेट से आगे इन्द्रानगर से एक व्यक्ति को संदिग्ध परिस्थितियों में घूमते पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम पता मो. दानिश उर्फ पिंडारी पुत्र नियाज अहमद निवासी वार्ड 14 उत्तर उजाला, बनभूलपुरा बताया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से कुल 115 प्रतिबंधित नशे के इंजैक्शन बरामद हुए । पुलिस ने आवश्यक पूछताछ करने के बाद इंजेक्शन कब्जे में लेकर दानिश को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

पेयजल लाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों को शीघ्र दुरूस्त करें: सीडीओ

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। जिलाधिकारी उदयराज सिंह के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार ने कलेक्ट्रेट सभागार में जल जीवन मिशन (जेजेएम) की बैठक लेते हुए जेजेएम योजना कार्य के साथ ही पेयजल लाइन बिछाने हेतु खोदी गई सड़कों को शीघ्र ठीक करने के निर्देश कार्यदायी संस्थाओं को दिए। उन्होंने ओवरहेड टैंक पूर्ण होने के अंतिम चरण में ही पेयजल लाईन बिछाने हेतु सड़क खोदने के निर्देश दिये साथ ही लाईन बिछाने के तुरंत बाद ही सड़क को ठीक करने के निर्देश भी दिये ताकि यातायात बाधित न हो व जनता को अनावश्यक समस्याओं का सामना न करना पड़े। जेजेएम योजना के अंतर्गत कुल 333 पेयजल योजनाओं के सापेक्ष 168 पूर्ण हो चुकी हैं जल निगम रूद्रपुर द्वारा 92 के सापेक्ष 54 योजना कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं, इसी तरह जल निगम काशीपुर 54 के सापेक्ष 29 योजना कार्य, जल निगम खटीमा के द्वारा 80 के सापेक्ष 44 योजना कार्य तथा जल संस्थान रूद्रपुर द्वारा 53 के सापेक्ष 18, जल संस्थान रामनगर के द्वारा 25 के सापेक्ष 8 व जल

संस्थान खटीमा खंड द्वारा 29 के सापेक्ष 15 कार्य पूर्ण कर लिये गए हैं। जबकि माह जुलाई में 42, अगस्त में 48 व सितंबर में 75 योजनाएं पूर्ण होंगी, जिसपर मुख्य विकास अधिकारी कार्यों में गति लाकर निर्धारित समय में योजना कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इलैक्ट्रिकल एंड मैकेनिकल डिवीजन (ईएंडएम) द्वारा 255 योजनाओं के पम्प हाउस निर्माण में से 240 पूर्ण हो चुके है जबकि 13 पम्प हाउस में कार्य प्रगति पर है तथा 02 में बोरिंग कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है लेकिन शीघ्र प्रारंभ कर लिया जायेगा तथा 200 पम्प हाउसों में विद्युत ऊर्जाकृत कर दिया है। 38 पम्प हाउसों को विद्युत संयोजन की धनराशि प्राप्त हो गई है इनको भी शीघ्र ऊर्जाकृत कर दिया जायेगा। मुख्य विकास अधिकारी ने 02 बोरिंग कार्यों को तुरंत प्रारंभ करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा जो पम्प हाउस पूर्ण हो चुके है उनके पम्पिंग प्लांट कार्य भी शीघ्र पूर्ण कराते हुए योजना में पानी टेस्टिंग कर पेयजल व्यवस्था सुचारू करें। उन्होंने कहा कि जेजेएम योजना के अन्तर्गत प्रत्येक विद्यालय व आंगनबाड़ी केन्द्र में पेयजल संयोजन सुनिश्चित करेंगे, साथ ही सभी योजनाओं की वाटर टेस्टिंग अवश्य करायेंगे तथा सभी पूर्ण योजनाओं का थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन व जियो टैगिंग कराना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में परियोजना निदेशक अजय सिंह, अधीक्षण अभियंता जल निगम वी के जैन, जल संस्थान प्रणम पुरोहित, अधिशासी अभियंता जल निगम सुनील जोशी, पीएन चौधरी, शिवम द्विवेदी, जल संस्थान नरेन्द्र रेखाड़ी, मनोज कुमार गंगवार, अजय कुमार, ईएंडएम नील कमल आदि मौजूद थे।

प्रतिपल ईश्वर का स्मरण से सुधरता है जीवन

गदरपुर(उद संवाददाता)। श्री सनातन धर्म मंदिर बुध बाजार में सावन मास के उपलक्ष में चल रही कथा के

षष्टम दिवस की कथा करते हुए कथा वाचक पंडित विजय कुमार शास्त्री जी ने कहा कि मानव जीवन की अंतिम परीक्षा उसकी मृत्यु ही है, जिसका जीवन सुंदर होगा उसकी मृत्यु मंगलमय होगी, जिसका मरण बिगड़ा उसका जीवन ही व्यर्थ रहा, मरण तब सुधरता है जब मानव प्रत्येक क्षण को सुधारता चलता है, जिसको समय के मूल्य का ज्ञान होता है उसे विगत संपत्ति फिर प्राप्त हो सकती है, किंतु गया समय फिर कभी नहीं मिलता, प्रत्येक क्षण का जो सदुपयोग करेगा उसी की मृत्यु मंगलमय होगी, प्रतिपल जो ईश्वर का स्मरण करता है उसकी मृत्यु भी सुधरती है, इस दौरान कथा श्रवण करने पहुंचे काफी संख्या में महिला व पुरुष श्रद्धालु उपस्थित थे। प्रसाद की सेवा श्री सनातन धर्म सभा के उप कोषाध्यक्ष विजय कुमार सुखीजा (चीनी मिल,निवासी गूलरभोज रोड)के परिवार द्वारा दी गयी।

मटर गली व्यापारी एसोसिएशन ने मनाया शौर्य दिवस

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। मटर गली व्यापारी एसोसिएशन द्वारा को कारगिल विजय दिवस शौर्य दिवस के रूप में मनाया गया। जिन भारतीय सेना के जवानों ने देश की सीमा पर तैनात होकर हम सभी भारतीयों की रक्षा की लड़ाई लड़ी। जिसमें हमारे कई सेना के जवान शहीद हुए सबको याद कर नमन: करते हुए डीके पार्क में मोमबत्तियां जलाकर याद किया गया । वक्ताओं ने कहा कि जो सैनिक कारगिल युद्ध जीत कर आये व अपने परिवार से मिले। सैनिक जवानों व अफसरों एवम उनकेपरिवार पर हमें गर्व है। साथ ही देश की सीमा तेनाती सख्त की जानी चाहिए ताकि कोई भी घुसपेटिये हमारे देश की सीमा में ना आ सके। उन्होंने कहा कि शहर में 13 चौराहों का सौन्दर्यकरण होना

है हमारी मांग है कि कई चौराहे हमारे शहीदों के नाम पर होने चाहिए। इस मौके पर मटर गली व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष दलजीत सिंह दल्ली, महामन्त्री अतुल गुप्ता, प्रेम चौधरी, मोईन बाबा, गोविंद सिंह बगड़वाल, परविंदर सिंह नागपाल, इरशाद हुसैन सिद्दीकी, विनोद अग्रवाल, राकेश वार्ष्णेय, पारस चौहान, मनिंदर सिंह, इंदर लाल, करन बाली, इंशिका गुप्ता, वंशिका गुप्ता, नासिर हुसैन, आन सिंह पड़ियार, सरफराज हुसैन आदि मौजूद रहे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

बजट का असंतुलन

हर बजटीय प्रावधान के पक्ष और विपक्ष में तर्क होते ही हैं। अक्सर विपक्ष उसकी खामियों को लेकर हमलावर नजर आता है। मगर इसका यह अर्थ कतई नहीं कि इसे सामान्य सिद्धांत मान कर सरकार बजटीय पक्षपात या असंतुलित प्रावधानों को सही ठहरा सकती है। इस बार के बजट को लेकर विपक्ष शुरू से ही हमलावर है। बुधवार को संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्ष ने बाहर प्रदर्शन किया। चर्चा के दौरान दोनों सदनों में हंगामा होता रहा।प्रश्नकाल में विपक्ष ने राज्यसभा से बहिर्गमन किया। विपक्ष की सबसे अधिक आपत्ति बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए विशेष आबंटन को लेकर है। उसका कहना है कि बाकी राज्यों के साथ भेदभाव किया गया है। इसलिए कि सरकार को गठबंधन कायम रखने के लिए जद (एकी) और तेदेपा को खुश रखना बहुत जरूरी है। इस पक्षपातपूर्ण आबंटन से नब्बे फीसद देश बजट में गायब है। मगर वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने इसके जवाब में कहा कि सभी राज्यों को कुछ न कुछ दिया गया है, उनका उल्लेख भले बजट में अलग से नहीं किया गया। हालांकि बजट में विशेष रूप से किसानों, महिलाओं और युवाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है, मगर उनके लिए भी बजटीय प्रावधान को विपक्ष संतोषजनक नहीं मान रहा। राजग सरकार के दो कार्यकाल निर्विघ्न रहे, उनमें विपक्ष एक तरह से गायब था, इसलिए बजट पर अपेक्षित बहसें नहीं हो पाती थीं। मगर इस बार विपक्ष मजबूत स्थिति में है और सरकार उसकी आलोचना से बच नहीं सकती। अभी बजट पर चर्चा के दौरान और भी अनेक बातें रेखांकित होंगी। मगर इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि बजट पर गठबंधन के सहयोगी दलों का दबाव साफ नजर आता है। बिहार और आंध्र प्रदेश की जद (एक) और तेदेपा की राज्य सरकारें शुरू से विशेष दर्जे की मांग उठाती रही हैं। कयास तो यहां तक लगाए जा रहे थे कि अगर उन्हें विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिला तो दोनों दल केंद्र सरकार का साथ छोड़ सकते हैं। मगर केंद्र ने उन्हें विशेष राज्य का दर्जा देने से साफ मना कर दिया। फिर बजट में उन्हें भारी-भरकम विशेष आर्थिक पैकेज दिया गया। इन दोनों राज्यों को बांट कर जब दो नए राज्य झारखंड और तेलंगाना बने, तो केंद्र ने इन्हें विशेष दर्जा देने का आश्वासन दिया था, मगर वह पूरा नहीं हो सका। इस लिहाज से इनकी दावेदारी वाजिब थी, मगर इसका यह अर्थ नहीं कि बाकी राज्यों की वित्तीय स्थिति अच्छी है और वे अपने दम पर विकास कर सकते हैं। केंद्र सरकार का दायित्व है कि वह सभी राज्यों को समान रूप से तरक्की के अवसर उपलब्ध कराए। हर राज्य में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार आदि की सुविधाएं सृजित करे। मगर अक्सर देखा गया है कि केंद्र की हर सरकार राज्यों के लिए वित्तीय आबंटन में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाती है। इसी के चलते अक्सर असंतोष और विरोध का स्वर उभरता है। केंद्र और राज्यों के बीच टकराव की स्थितियां बनती देखी जाती हैं। ठीक है कि इस वक्त राजग के सामने केंद्र में स्थायित्व का संकट है, इसलिए वह अपने दो बड़े सहयोगी दलों की मांगों की अनदेखी नहीं कर सकता। मगर संतुलन की अपेक्षा तो उससे की ही जाती है। अगर कुछ राज्यों और वर्गों की वास्तविक जरूरतों को नजरअंदाज कर केवल अपने पक्ष के वर्गों और राज्यों को अधिक सुविधाएं उपलब्ध करा दी जाती हैं तो इससे देश का संतुलित विकास संभव नहीं हो पाता।

बौर, हरिपुरा, तुमारिया और नानकसागर में सिल्ट और मिट्टी उठान की रॉयल्टी फ्री

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने सचिवालय में व्यय वित्त समिति की बैठक ली। उन्होंने उत्तराखण्ड के बौर, हरिपुरा,

तुमारिया और नानकसागर जैसे जलाशयों में अत्यधिक सिल्ट जमाव की समस्या के समाधान तथा इन जलाशयों में पर्यटन गतिविधियों एवं मत्स्य पालन को बढ़ावा देने की दिशा में जलाशयों के डिसिल्टिंग (सिल्ट या मिट्टी उठान) को रॉयल्टी फ्री करने हेतु नीति बनाने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने इस संबंध में सिंचाई विभाग को सभी संबंधित विभागों से अनापत्ति लेने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने ऊधमसिंह नगर के गदरपुर में बाबा डल मंदिर से बौर जलाशय से गूलरभोज-कूल्हा तिलपुरी वन बैरियर तक सिंचाई विभाग के माध्यम से कंक्रीट सड़क निर्माण कार्यों का वित्तीय अनुमोदन दिया। बौर एवं हरिपुरा जलाशयों में वर्षाकाल की बाढ़ से जल संचय किया जाता है। इन जलाशयों में वर्षभर सिंचाई हेतु कृषकों को पानी दिया जाता है। उत्तराखण्ड सरकार द्वारा पर्यटन हब के रूप में भी इस क्षेत्र को विकसित किया जाना है। उत्तराखण्ड शासन की महत्वाकांक्षी योजना 13 जनपद 13 पर्यटन स्थल में भी बौर-हरिपुरा जलाशय को सम्मिलित किया गया है। व्यय वित्त समिति की बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने मोहकमपुर (देहरादून) में न्यायिक कार्मिकों के लिए बनने वाले 32 आवासीय भवनों के निर्माण का भी अनुमोदन दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि उक्त आवासीय भवनों में अनिवार्य रूप से सोलर पैनल की व्यवस्था की जाए तथा ग्रीन बिल्डिंग की अवधारणा पर कार्य किया जाए। मुख्य सचिव ने देहरादून में पशु प्रजनन फार्म कालसी के सुदृढ़ीकरण के कार्यों हेतु कंप्रिहेंसिव स्टडी के निर्देश दिए हैं। पशु प्रजनन प्रक्षेत्र, कालसी जनपद देहरादून में स्थापित है तथा वर्तमान में भारत सरकार द्वारा देश में सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस ऑन इण्डीजिनस ब्रीड्स नामित किया गया है।इस प्रक्षेत्र पर भ्रूण प्रत्यारोपण की तकनीक से नस्ल सुधार कार्यक्रम सम्पादित किया जा रहा है। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने पशुलोक, ऋषिकेश में हीफर रियरिंग फार्म के सुदृढ़ीकरण के कार्य की भी सैद्धान्तिक स्वीकृति दी है। पशुलोक ऋषिकेश में वर्ष 2019 में हीफर रियरिंग फार्म की स्थापना का कार्य आरआईडीएफ योजनान्तर्गत किया गया था। फार्म का उद्देश्य राज्य के पशुपालकों को उचित मूल्य पर संकर नस्ल की गाय उपलब्ध कराना है। बैठक में सचिव पशुपालन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, सिंचाई एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

भूस्खलन से मकान के अंदर मां और बेटी जिंदा दफन

टिहरी। उत्तरखंड के कई इलाकों में भारी बारिश के चलते जन-जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। भूस्खलन की घटनाएं बढ़ गई। पानी के तेज बहाव के कारण छोटी पुलिया और रास्ते बह गए। घरों और दफ्तरों में पानी घुस गया है, जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही कई इलाकों की विद्युत आपूर्ति भी प्रभावित है, जिससे मुश्किलें और बढ़ गई हैं। टिहरी के भिलंगना ब्लॉक के तोली गांव में भूस्खलन की चपेट में आए एक मकान के अंदर मां और बेटी दब गईं। जिससे दोनों की मौत हो गई। परिवार के अन्य सदस्यों ने देर रात किसी तरह बाहर भाग कर जान बचाई। एसडीआरएफ, पुलिस और राजस्व पुलिस की टीम तोली गांव पहुंच गई है। वहीं भारी बारिश के चलते भिलंगना ब्लॉक के सभी स्कूलों में

अवकाश घोषित कर दिया गया है। टिहरी जिले के जौनपुर ब्लॉक के थत्यूड़ में 33 केवी विद्युत सब स्टेशन में भारी मलबा भर गया है। जिससे ट्रांसफार्मर दब गए हैं। विद्युत आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई है। विद्युत सब स्टेशन परिसर में सड़क का मलबा और पानी घुसा पड़ा हुआ है। वर्तमान समय में उत्तरकाशी जनपद मुख्यालय, चिन्यालीसौड़ क्षेत्र में हल्की वर्षा हो रही है तथा जनपद के अन्य तहसील क्षेत्रों में बादल छाए हैं। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात हेतु सुचारू बताया जा रहा हैं। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात हेतु सुचारू बताया जा रहा है। लम्बगांव मोटर मार्ग आयरखाल के पास मलबा व पत्थर आने के कारण मार्ग बाधित होने की सूचना है। वहीं घनसाली-बालगंगा घाटी में विद्युत आपूर्ति ठप है। कई जगह बिजली के पोल बह गए हैं। कर्णप्रयाग में शुक्रवार रात को भारी बारिश हुई, जिससे पिंडर नदी उफान पर है। नारायणबगड़ का पंती कस्बा मलबे से अटा है। पंती में बिजली विभाग के ट्रांसफर और तारों के बंडल मलबे में दब गए हैं और हाईवे तथा पंती -विनायक-हंसकोटी मार्ग बंद है। यहां अतिवृष्टि होने से बारिश के पानी के साथ मलबा आया। कर्णप्रयाग- ग्वालदम-अल्मोड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग नारायणबगड़ के पंती मे बंद है। बीआरओ सड़क खोलने में जुटा है। कर्णप्रयाग मे पिंडर उफान पर है। हरमनी में हाईवे स्लाइड्स आने से बंद है, इसके अलावा जगह-जगह मलबा आने से रास्ता अवरुद्ध है।

उत्तरकाशी में राहत और बचाव कार्य में जुटा प्रशासन

उत्तरकाशी। अतिवृष्टि से प्रभावित यमुनोत्री क्षेत्र में आवश्यक सुविधाओं की बहाली एवं सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाने के लिए विभिन्न विभागों के स्तर से तेजी से कार्रवाई की जा रही है। जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने संबंधित विभागों को इसके लिए जिम्मेदारी सौंपी है। इसके साथ ही अधिकारियों की टीम को मौके पर भेजकर नुकसान का आंकलन कर रिपोर्ट देने और तत्काल सुरक्षात्मक कार्य शुरू करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन द्वारा यात्रा के सुरक्षित व सुचारू संचालन हेतु सभी एहतियाती कदम उठाए गए हैं। यमुनोत्री धाम में आज भी तीर्थयात्रियों का आवागमन पूर्व की भांति जारी रहा। जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने जिला नियंत्रण कक्ष में पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी तथा अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा की और मौके पर गए अधिकारियों से भी वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि वर्तमान में यमुना नदी का जल स्तर सामान्य है।

यमुनोत्री क्षेत्र में बीती रात अतिवृष्टि होने के कारण यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने से यमुनोत्री धाम एवं जानकीचट्टी में नदी के तटवर्ती क्षेत्रों में कुछ सार्वजनिक व निजी संपत्तियों को नुकसान हुआ है। यमुना नदी में जल स्तर बढ़ने की सूचना पर रात्रि में ही पुलिस, एसडीआरएफ एवं अन्य विभागों के कार्मिकों द्वारा नदी के आसपास के क्षेत्रों राणा चट्टी ,हनुमान चट्टी, स्यानाचट्टी, पालीगढ़ आदि स्थानों पर अलर्ट करने के साथ ही जानकीचट्टी क्षेत्र में नदी के निकटवर्ती क्षेत्रों में भवनों तथा होटलों को खाली कराकर लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचा दिया गया था। जिलाधिकारी के निर्देश पर उप जिलाधिकारी बड़कोट मुकेश चंद रमोला, तहसीलदार बड़कोट धनीराम राजस्व विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की टीम के साथ नुकसान का जायजा लेने व राहत कार्यों के संचालन हेतु सुबह ही प्रभावित क्षेत्र में पहुंच गए थे। इसके अलावा यूपीसीएल, जल संस्थान, लोनिवि आदि विभागों के अधिकारी भी अपनी टीमों के साथ मौके पर मौजूद हैं। क्षेत्र में स्वास्थ्य टीमें भी पूर्ववत तैनात हैं। इसके साथ ही एसडीआरएफ की एक अतिरिक्त टुकड़ी व एनडीआरएफ के जवानों को भी प्रभावित क्षेत्र में भेजा गया है। जिलाधिकारी ने इस क्षेत्र में हुए नुकसान का आंकलन करने एवं बाधित आवश्यक सेवाओं को तत्काल बहाल करने हेतु उपजिलाधिकारी बड़कोट की अध्यक्षता में समिति गठित की है।

मद्महेश्वर यात्रा रूट पर फंसे 106 यात्रियों को हेलीकॉप्टर से किया रेस्क्यू

रूद्रप्रयाग। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी, रुद्रप्रयाग नंदन सिंह रजवार ने अवगत कराया है कि मद्महेश्वर यात्रा रूट पर फंसे 106 यात्रियों को जिलाधिकारी की निगरानी में हेली सेवाओं के माध्यम से रेस्क्यू किया गया। उन्होंने बताया कि गत देर रात्रि हुई भारी बारिश के कारण मद्महेश्वर मंदिर ट्रैक पर बनतोली गौंडार में मार्कण्डेय (मोरकंडा) नदी पर पैदल पुल बह जाने से क्षेत्र से संपर्क बाधित हो गया था। सूचना प्राप्त होते ही जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के निर्देशन में एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, पुलिस तथा जिला प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी घटनास्थल के लिए रवाना हुए। पूरे रेस्क्यू अभियान के दौरान जिलाधिकारी भी स्वयं मौके पर मौजूद रहे। मद्महेश्वर घाटी में फंसे तीर्थ यात्रियों के सफल रेस्क्यू के बाद सभी तीर्थ यात्रियों ने जिलाधिकारी सौरभ गहरवार सहित पूरी रेस्क्यू टीम का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। यात्रियों का कहना था कि जिला प्रशासन एवं सरकार द्वारा यात्रियों के रेस्क्यू के लिए स्थानीय लोगों की मदद से अस्थाई हेलीपैड निर्माण से लेकर फूड पैकेट भी बेहद कम समय में सभी यात्रियों को उपलब्ध कराए गए। यात्रियों ने राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई करने के लिए सराहना करते हुए उनका धन्यवाद ज्ञापित किया। रेस्क्यू अभियान में जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार, तहसीलदार ऊखीमठ प्रदीप नेगी, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, पुलिस, लोनिवि एवं जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी और कर्मचारी शामिल थे।

यमुनोत्री धाम में पुल की दीवार ढही

उत्तरकाशी । उत्तरकाशी में गुरुवार रात को भारी बारिश हुई, जिस कारण यमुना नदी उफान पर आ गई और तबाही ला दी। जानकीचट्टी में बनी पार्किंग तक यमुना का जल स्तर पहुंच गया। यमुनोत्री

धाम में तटबंध बह गए। यमुनोत्री मंदिर को जोड़ने वाले पुल की सुरक्षा दीवार भी बह गई। जानकीचट्टी क्षेत्र में रात्रि में हुई अतिवृष्टि से तीन खच्चर व एक मोटर साइकिल भी बह गई। जानकीचट्टी पार्किंग के पास कटाव हुआ और शुभम पैलेस होटल के आगे रोड की दीवार क्षतिग्रस्त हो गई। जानकीचट्टी में बनी पार्किंग तक यमुना का जल स्तर पहुंचा। जिससे वहां हड़कंप मच गया। पार्किंग में पानी घुस जाने से प्रशासन ने निचले स्तर पर माइक के द्वारा अनाउंसमेंट किया गया। भले ही सुबह होने तक जानकीचट्टी में जल स्तर सामान्य हो गया। पार्किंग में अभी पानी घुसना कम हो गया है। लोगों ने राहत की सांस ली है। यमुनोत्री क्षेत्र में देर रात को भारी वर्षा हुई। जिससे यमुना नदी का जलस्तर बढ़ गया। यमुनोत्री धाम में यमुना नदी में आए उफान के कारण तटबंध बह गए हैं। यमुना मंदिर को जाने वाला मुख्य रास्ता भी क्षतिग्रस्त हो गया है। यमुनोत्री धाम में पुजारी महासभा के यमुना नदी के किनारे के कक्ष क्षतिग्रस्त हुए हैं। स्ट्रीट लाइट क्षतिग्रस्त हुई हैं। मंदिर का जनरेटर भी बहा है। यमुना में स्नान घाट भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। यमुनोत्री धाम के निकट यमुनोत्री मंदिर को जोड़ने वाले पुल की सुरक्षा दीवार भी बही है। यमुनोत्री धाम को जोड़ने वाले पैदल मार्ग पर राम मंदिर पर स्थित पंजीकरण सत्यापन केंद्र भी क्षतिग्रस्त हुआ है।भारी बारिश से जनपद में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

विधायक ने किया आपदाग्रस्त क्षेत्रों का निरीक्षण

चार प्रभावित परिवारों को दी आर्थिक सहायता

कपकोट(उद संवाददाता)। आपदा की दृष्टि से अतिसंवेदनशील कपकोट तहसील के विभिन्न गांवों में हुए आपदा से हुए नुकसान का स्थानीय विधायक सुरेश गड़िया ने स्थलीय निरीक्षण किया। वही आपदा के दौरान अपनों के साथ अपनों के बीच जनप्रतिनिधि होने के नाते आपदा ग्रस्त क्षेत्र में पहुंचकर आपदा ग्रस्त परिवारों की सहायता को अपनी प्राथमिकता बताया। विगत दिनों में हुई लगातार भारी बारिश व अतिवृष्टि से कपकोट विधानसभा के ग्राम पंचायत बड़ी पन्याली में क्षत्रिग्रस्त आवासीय मकानों व विभिन्न आपदा ग्रस्त स्थानों का स्थलीय निरीक्षण कर आपदा से हुए नुकसान का जायजा लिया।स्थलीय निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत बड़ी

पन्याली के पीड़ित परिवारों को विस्थापित करने के संबंध में प्रशासन को अतिशीघ्र विस्तृत रिपोर्ट शासन को भेजने,साथ ही भारी वर्षा व भूस्खलन से क्षेत्र में हुई क्षति व नुकसान के तत्काल आगणन तैयार करने के निर्देश दिए। इस दौरान विधायक ने चार पीड़ित परिवारों को पांच लाख एक हजार रुपये की धनराशि अपने स्तर से पूर्ण रूप से मकान क्षतिग्रस्त हुए परिवार के लोगों को आर्थिक सहायता प्रदान की। साथ हीआपदा प्रभावितों को राहत सामग्री के साथ दैनिक उपयोग के राहत सामग्री वितरित किया। इस दौरान निरीक्षण में पूर्व जिपं अध्यक्ष राम सिंह कोरंगा, ब्लॉक प्रमुख गोविंद दानू, मण्डल अध्यक्ष हरीश कोरंगा,गणेश सुरकाली सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पुलिस कस्टडी में लाखों की धोखाधड़ी के आरोपी की मौत

रोड़ टैक्स की फर्जी रसीदें भेज 52 लाख की धोखाधड़ी का मामला, रूद्रपुर की आरएस लोजिस्टिक से जुड़ा है मामला

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। बीते दिनों एक निजी संस्थान में फर्जी रसीदों के माध्यम से लाखों रूपये की धोखाधड़ी करने के आरोपी की उस समय संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई जब कोतवाली पुलिस के एसएसआई व पुलिस कर्मी उसे उसके निवास स्थान से अपनी हिरासत में लेकर रूद्रपुर ला रहे थे। घटना से पुलिस अधिकारियों में हड़कम्प मच गया। बताया जाता है कि एक निजी संस्थान में कार्यरत कर्मी द्वारा अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर वाहनों के रोड़ टैक्स की नकली रसीदें भेज कर 52.40 लाख की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया था। संस्थान स्वामी आरएस लोजिस्टिक, रूद्रपुर के चैयरमेन हरीश मुंजाल पुत्र शेरचन्द मुंजाल ने इस मामले में भास्कर प्रताप पाण्डेय पुत्र रामेश्वर पाण्डेय निवासी महुलानी बर्डपुर नं.3, विर्दपुर, सिद्धार्थनगर, उप्र के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले में कार्रवाई करते हुये कोतवाली के एसएसआई दिनेश कौशिक साथी पुलिस कर्मियों के साथ आरोपी भास्कर प्रताप को पकड़ने के लिये रवाना हुये। बताया जाता है कि टीम द्वारा आरोपी भास्कर को जब रूद्रपुर कोतवाली लाया जा रहा था कि मार्ग में संदिग्ध परिस्थितियों में आरोपी भास्कर की मौत हो गई। मामले की जानकारी पुलिस द्वारा तत्काल वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को दी गई और शव उत्तर प्रदेश पुलिस के सर्पुद कर दिया गया है। मामले की सूचना मिलने पर एसपी सिटी सहित कई पुलिस अधिकारी मौके के लिये रवाना हो गये है।

चाय के ठेले पर गैस चूल्हे में आग लगने से मचा हड़कम्प

गदरपुर(उद संवाददाता)। मुख्य बाजार में थाने के पास एक चाय के ठेले पर गैस चूल्हे में आग लगने से हड़कंप मच गया। पुलिसकर्मियों और अन्य लोगों द्वारा जल रही आग पर मुश्किल काबू पाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना गेट के पास एक महिला राजकुमारी गुप्ता द्वारा चाय का ठेला लगाया गया था। चाय बनाते वक्त अचानक गैस सिलेंडर ने आग पकड़ ली जिससे राजकुमारी घबरा गई। पुलिस कर्मियों और अन्य लोगों ने आग पर काबू पाया। आज की लपटें एवं धुआं दूर तक दिखाई दे रहा था। वहीं कुछ लोगों द्वारा फायर ब्रिगेड को भी फोन किया गया परंतु आग पर काबू पा लिया गया। राजकुमारी गुप्ता ने बताया कि जब वह गैस चूल्हे पर चाय बना रही थी अचानक गैस सिलेंडर ने आग पकड़ ली जिससे दुकान का सारा सामान बर्तन, ठेला,फर्नीचर एवं बिस्कुट आदि खाने का सामान जलकर राख हो गया।

विज्ञान विषय पर कार्यशाला आयोजित

शक्तिफार्म (उद संवाददाता)। राजकीय इंटर कालेज शक्तिफार्म मे राष्ट्रीय आविष्कार अभियान अन्तर्गत एक्सपर्ट टॉक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें डिस्ट्रिक्ट कोर्डिनेटर इंस्पायर अवार्ड प्राप्त सेवानिवृत्त शिक्षक जगदीश राय ने विज्ञान के क्षेत्र में होने वाले विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारियां दी। राजकीय इंटर कॉलेज शक्तिफार्म मे आयोजित कार्यक्रम का मुख्य अतिथि महेंद्र सिंह ,प्रधानाचार्य बाल मुकुंद तिवारी आदि ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।कार्यक्रम मे छात्रों को संबोधित करते हुए जगदीश राय ने एक्सपर्ट टॉक विषय में विज्ञान के क्षेत्र में होने वाले विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारियां देते हुए छात्र विज्ञान के क्षेत्र मे कैसे अपना भविष्य बना सकते हैं इसके बारे में छात्रों को विस्तृत रूप से बताया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह ने गुरु शिष्य परंपरा तथा तक्षशिला, नालंदा विश्वविद्यालय की ज्ञान परंपरा ,विश्व के लोगों द्वारा शिक्षक ग्रहण करने भारत आने के सम्बन्ध मे

जानकारियां प्रदान की। उन्होंने नई शिक्षा नीति एवं स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं के बारे में भी बताया। मुख्य वक्ता जगदीश राय को अंग वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन विनोद कुमार व हरिशंकर यज्ञिक ने किया।इस अवसर पर राजकीय इंटर कॉलेज सितारगंज के प्रधानाचार्य श्री रवेंद्र पाठक , राइंका के प्रधानाचार्य बाल मुकुंद तिवारी,डा. राज कमल सिंह,धर्मेंद्र नाथ चौबे , सतीश कुमार राणा ,राज कुमुद पाठक, शाहीन जाहिर ,नरेश चंद्र बिनवाल, बाबूलाल पटेल, राजेंद्र प्रसाद, मंजू आदि लोग मौजूद थे।

पेयजल निगम में फर्जी नियुक्ति हासिल करने वालों पर हो कार्यवाही: उनियाल

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। उत्तराखंड क्रांति दल के केंद्रीय महामंत्री सुशिल उनियाल ने मुख्य सचिव को हल्द्वानी के उपजिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित किया , जिसमे उन्होंने मुख्य सचिव उत्तराखंड सरकार से मांग की है कि वर्तमान में समाचार पत्रों के माध्यम से ज्ञात हुआ है कि पेयजल निगम द्वारा कई व्यक्तियों को नियम विरूद्ध नियुक्त किया गया है जिसमें किसी महिला अभ्यर्थी द्वारा आरक्षण प्राप्त करने हेतु आवेदन करते समय उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत किया गया जाति प्रमाण पत्र आवेदन के साथ संलग्न कर दिया गया था, लेकिन चयन हेतु जो अभिलेख दिये गये उसमें उत्तराखण्ड सरकार द्वारा निर्गत किया गया जाति प्रमाण पत्र देकर आरक्षित पद पर नियुक्ति हासिल की, सम्बन्धित व्यक्तियों पर षडयंत्र कर नियुक्ति हासिल करने की कार्यवाही करने कहा है एवं जिस चयन समिति नें गलत अभिलेखों का सत्यापन कर महिला का आरक्षित पद पर चयन किया उन अधिकारियों के खिलाफ भी उचित कार्यवाही की जाए। उनियाल ने कहा कि जांचो को लंबित करने से प्रतीत होता है कि पेयजल निगम के मुख्य अभियंता (मुख्यालय) जो सहायक अभियंता पद के नियुक्त प्राधिकारी हैं, वह अवैध नियुक्त हासिल करने वालों को बचाने का प्रयास कर रहे है , इसलिए गलत तरीके से आरक्षित पदों पर नियुक्त व्यक्तियों पर उचित कार्यवाही करने तक मुख्य अभियंता मुख्यालय एवं अन्य संबंधित अधिकारी को पेयजल निगम मुख्यालय से अन्यत्र स्थानान्तरण किया जाना न्यायहित में अति आवश्यक है ।श्री उनियाल ने मुख्य सचिव को भेजे पत्र में यह भी मांग की है कि पेयजल निगम मे 2005 एवं 2007 मे भी ऐंसी ही अवैध नियुक्ति हुई थी, इस प्रकरण पर पेयजल निगम प्रबन्धन द्वारा अवैध नियुक्तिधारी चार अभियंताओं पर कार्यवाही की, जबकि अन्य पर कोई कार्यवाही नही की गयी, जो राज्य की महिलाओं के हितों पर कुठाराघात है, इससे राज्य सरकार की छवि भी धूमिल हो रही है। उन्होंने शीघ्र कार्यवाही करने की मांग मुख्य सचिव से की है।

प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थानों में भारत और सरस्वती मां की प्रतिमा लगाने की सिफारिश

देहरादून(उद संवाददाता)। उत्तराखंड बाल आयोग ने स्कूल, मदरसे और सभी शिक्षण संस्थानों में भारत माता और मां सरस्वती की प्रतिमा लगाने के साथ देश के सभी महापुरुषों की जयंती मनाने की सिफारिश की है। इस बाबत आयोग ने विद्यालयी शिक्षा के महानिदेशक को कार्यवाही कर अवगत कराने के लिए पत्र लिखा है। आयोग के अनुसचिव डॉ. एसके सिंह के 25 जुलाई को जारी पत्र में कहा गया कि आयोग के समक्ष भारत रक्षा मंच की उत्तराखंड इकाई की ओर से 18 जुलाई को ज्ञापन मिला। संगठन के प्रदेश महामंत्री विपुल कुमार गुप्ता ने मांग की कि स्कूल, मदरसे और अन्य शिक्षण संस्थानों में मां सरस्वती और भारत माता की प्रतिमा लगाने के साथ महापुरुषों की जयंती मनाना अनिवार्य किया जाए, जिनसे नई पीढ़ी उनसे परिचित हो सके। उधर, राज्य बाल आयोग अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना ने कहा, बच्चों के चरित्र निर्माण के लिए स्कूल, मदरसे या किसी भी शिक्षण संस्थान में महापुरुषों की जयंती मनाने के साथ भारत मां व सरस्वती मां की प्रतिमा स्थापित करने का सुझाव महत्वपूर्ण है। स्कूलों या मदरसों के बच्चे यदि छत्रपति शिवाजी महाराज, गुरु तेग बहादुर और वीर अब्दुल हमीद व अन्य सभी महापुरुषों की जयंती मनाएंगे, तो वह अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ेंगे और देश भक्ति की भावना भी प्रबल होगी।

शिव मंदिर में किया पौधारोपण

गूलरभोज(उद संवाददाता)।शिव मंदिर रेलवे फाटक के पास गूलरभोज में नगर पंचायत और व्यापारियों द्वारा पौधारोपण का कार्यक्रम शिव मंदिर में किया गया। इस दौरान छायादार और फलदार पौधे लगाकर पर्यावरण सरंक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर व्यापार मंडल अध्यक्ष डॉ कुलदीप रघुवंशी, अमित कुमार गुप्ता, शेषनारायण शुक्ला, मुकेश राजभर, लच्छू गिरी, रोहित, जयप्रकाश, मुकेश, अमित, हरीश, सुदामा, राकेश पवन आदि उपस्थित थे।

श्रद्धा के साथ मनाया जायेगा शहीदी दिवस

गदरपुर। पूर्व जिला पंचायत सदस्य टेक चंद कम्बोज ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 31 जुलाई को शहीद शिरोमणि उधम सिंह कम्बोज का शहीदी दिवस बुध बाजार स्थित कम्बोज धर्मशाला में मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 29 जुलाई को प्रात: 9बजे श्री गुरु ग्रंथ साहिब के अखंड पाठ प्रारंभ होंगे। 31 जुलाई को 9 बजे भोग का कार्यक्रम होगा। तत्पश्चात 9:30 से 11:30 तक शबद कीर्तन , अरदास तथा गुरु का लंगर होगा। उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने की अपील की है।

पेज एक का शेष...

धरना स्थल पर बेंहड़ बेहोश.....और प्राग फार्म के भूमिहीनों को भी जमरानी बांध विस्थापितों की तरह विस्थापित करके भूमि दिये जाने की मांग की। अधिकारियों ने इन बेहड़ की मांगों पर शासन स्तर से कार्यवाही का आश्वासन दिया। इससे पहले व्यापारियों द्वारा गठित की गयी सदभावना समिति के सदस्यों ने भी बेहड़ से मुलाकात कर धरना समाप्त करने का अग्रह किया था। सदभावना समिति और सीएम का संदेश लेकर पहुंचे अधिकारियों के आग्रह के बाद बेहड़ धरना समाप्त करने के लिए राजी हो गये, अधिकारियों के जाने के बाद बेहड़ अपने समर्थकों को सम्बोधित करते हुए धरना समाप्त करने का ऐलान करने ही वाले थे कि अचानक भाषण देते समय वह बेहोश होकर गिर पड़े। जिससे वहां पर अफरा तफरी मच गयी। आनन फानन में वहां मौजूद समर्थक और पुलिस प्रशासन के लोग बेहड़ को सामुदियक स्वास्थ्य केन्द्र ले गये। सूचना पर एडीएम, एसडीएम समेत कई अधिकारी भी अस्पताल पहुंच गये। इस दौरान तनाव की स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल अस्पताल में तैनात कर दिया गया। स्वास्थ्य केन्द्र में डॉक्टर त्रिपाठी, एस सरगी, एल एस मेहता, जी बी बंगारी ने बेहड़ का उपचार किया। बेहड़ के उपचार के लिए मेडिसिटी अस्पताल के चिकित्सकों भी भी स्वास्थ्य केन्द्र बुलाया गया। स्वास्थ्य केन्द्र में प्राथमिक उपचार के बाद बेहड़ को मेडिसिटी अस्पताल भेजा गया। जहां समाचार लिखे जाने तक उनका उपचार जारी था। चिकित्सकों के मुताबिक शुगर लेवल बढ़ने के कारण बेहड़ की तबियत बिगड़ी है। बेहड़ को अस्पताल लाये जाने के दौरान उनके समर्थक भी भारी संख्या में अस्पताल पहुंच गये थे। इस दौरान व्यापार मण्डल अध्यक्ष पद के दावेदार गुलशन सिंधी ने पुलिस प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि धरना स्थल पर बेहड़ की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम नहीं थे। जो एंबुलेंस वहां पर खड़ी थी वह सफेद हाथी साबित हुयी। सिंधी ने बताया कि जब बेहड़ बेहोश हुए तो एंबुलेंस में ड्राईवर ओर स्टाफ नहीं था जिसके चलते बेहड़ को निजी वाहन से अस्पताल ले जाया गया। सिंधी ने पूरे मामले के लिए प्रशासन को जिम्मेवार ठहराया। इस दौरान निवर्तमान पालिका अध्यक्ष दर्शन कुमार कोहली, हाजी सरवर यार खां, मोहम्मद आरिफ, गौरव बेहड़, सौरभ बेहड़, सुनील कुमार, राजेश प्रताप, संतोष ठाकुर ओमप्रकाश भूपेंद्र चौधरी अभय सिंह कैलाश जोशी गुलशन सिंधी राकेश अरोड़ा शिव कुमार मित्तल अनिल जग्गी नदीम कुरैशी एन यू खान,हाजी सरवर यार खान विजय यादव लाल यादव अशोक मित्र छोटेलाल पुनीत यादव दिलीप सिंह बिष्ट धर्म सिंधी नीरज बजाज बंटी पटनाजा गुड्डू तिवारी अंग्रेज सिंह आदि सेकंड लोगों को उपस्थित थे।

ज्वैलरी शॉप से लाखों.....दोस्त के साथ खाटू श्याम बाबा के दर्शन के लिये गये हुये है। उनके पीछे पुत्र प्रांजल दुकान में सीसीटीवी लगाने सहित अन्य विद्युत कार्य करवा रहा है। गत सायं दुकान का कर्मचारी अभिषेक काम करवाने के बाद दुकान की चाबी प्रांजल को दे गया। प्रात: प्रांजल उठकर दुकान पर आया तो उसने देखा कि दुकान का शटर खोलकर भीतर देखा तो आभूषण का बाक्स खुला हुआ था। साथ ही दुकान के पीछे का शटर खुला हुआ था। प्रांजल का कहना है कि दुकान के पीछे का शटर बंद कर तालों की चाबी समीप ही छिपा कर रख दी जाती है। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चाबी निकालकर दुकान का शटर खोल लिया और दुकान से सोने चांदी के जेवरात और नगदी चुरा लीं प्रांजल का कहना है कि अज्ञात चोरों ने दुकान से 40 से 50 लाख रूपये की कीमत के सोने के जेवरात, 8 से 10 लाख रूपये कीमत के चांदी के जेवरात तथा 5 लाख रूपये की नगदी चोरी कर ली है। उसने संदेह व्यक्त करते हुये बताया कि यह कार्य उस व्यक्ति द्वारा किया गया है जिसको यह मालूम है कि दुकान के पीछे के शटर की चॉबी पास में ही छिपा कर रखी जाती है। घटना की सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष भारत सिंह पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और उन्होंने घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। साथ ही दुकान स्वमी प्रांजल रस्तोगी से आवश्यक जानकारी ली।

भाजपा ने जनता से किये हर.....गौतम ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट में समाज के सभी वर्गों के हितों का पूरा ध्यान रखा गया है। इससे देश के विकास को भी गति मिलेगी। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा प्रदेश के विकास के लिए कराये जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आज उत्तराखण्ड राज्य विकास की बुलंदियों को छूने को बेताब हैं। गोष्ठी को जिलाध्यक्ष कमल जिदल, कार्यक्रम संयोजक विधायक शिव अरोरा, अध्यक्षता कर रहे अशोक बंसल, जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, जिला प्रभारी पुष्कर सिंह काला सहित अनेक वक्ताओं ने भी सम्बोधित किया। इस दौरान गुरविन्दर सिंह चंडोक, प्रदीप बिष्ट, गौतम कथूरिया, विकास शर्मा, शेलेन्द्र मोहन सिंघल, ऊषा चौधरी, राजेश शुक्ला, प्रेम सिंह राणा, उत्तम दत्ता, राजपाल सिंह, खतीब अहमद, रामपाल सिंह, पीसी शर्मा, खडग सिंह कार्की, मुकेश राजौरिया, कमल जोशी, राजकुमार चौहान, विवेक सक्सेना, रंजीत सिंह गिल, राजेश कुमार, उपेन्द्र चौधरी, सुरेश कोली, तरूण दत्ता, मयंक कक्कड़, बबलू सागर, रामप्रकाश गुप्ता, सत्यप्रकाश चौहान, चन्द्रमोहन लखेड़ा, दिनेश तिवारी, गुलाब सिरोही, विराट आर्य, रेनू शर्मा, रचित सिंह, पंकज मदान, राजेश कामरा सहित भारी संख्या में समाज के विभिन्न वर्गों के लोग मौजूद थे।

2.8 **करोड़ की ठगी में**.....पर रुपए लेने के बाद ब्याज समय पर न देने के कारण उसने ब्याज की रकम को मूल में जोड़कर धोखाधड़ी से 2 करोड़ 8 लाख रुपए ठग लिए। रकम मांगे जाने पर शिकायतकर्ता को जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तहरीर के आधार पर आरोपी के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर लिया।

कत्ल के लिए दी तीस लाख.....कहा कि धमकी देने वाले व्यक्ति के पुन: धमकाने और उसके जिंदगी की 30 तारीख आखिरी बताने के कारण से ही वह व उसके परिवार में भय व्याप्त है। यदि उसके जानमाल की सुरक्षा न की गई तो उसके जीवन में संकट उत्पन्न हो जायेगा। उसने धमकी देने वाले अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मांग की है।

बदहाल सड़कों को लेकर.....मिल सके। प्रभारी नगर आयुक्त ने आश्वासन दिया कि इस मामले में जल्द ही कार्य प्रारंभ किया जाएगा। ज्ञापन देने वालों में राजकुमार कोली, दर्शन कोली, शिवकुमार ,राजपाल, सत्येंद्र, महिपाल, पप्पू, केदार सिंह, लक्ष्मी, चंद्रा, हरीश ,देव सिंह, किरन आदि मौजूद थे।

नुमाईश में तलवारबाजी.....फरार हो गए थे। एसएसपी ने पुलिस टीम को ढाई हजार रुपए इनाम दिया है। प्रेसवार्ता में एसपी सिटी प्रकाश चंद्र, एसपी क्राइम हरबंस सिंह, सीओ नितिन लोहनी व टीम में एसएसआई महेंद्र प्रसाद, मंगलपड़ाव चौकी इंचार्ज दिनेश जोशी, एसओजी इंचार्ज संजीत राठौर, हेड कांस्टेबल ललित श्रीवास्तव, हेमंत लुंठी, कांस्टेबल बंशीधर जोशी, चंदन नेगी, राजेश बिष्ट, अरविंद शामिल रहे।

कार चालक अलक नंदा.....पत्नी तृप्ति को गाड़ी से बाहर निकाला गया और वाहन चालक अनूप का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया हैं। सुबह नौ बजे बाद पुलिस और एसडीआरएफ की टीम द्वारा अनूप की ढूंढखोज के लिए रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। लेकिन दोपहर तक लापता कार चालक का कोई पता नहीं चल पाया।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे इंटरमीडिएट मुख्य परीक्षा के Passing Certificate अनुक्रमांक- 941169 वर्ष 2010 विद्यालय / केन्द्र सरस्वती इंटरमीडिएट कालेज, दोराहा बाजपुर जिला ऊधमसिंह नगर सम्बद्ध बोर्ड ऑफ हायर सेकण्डश्री एजूकेशन, दिल्ली मूल रूप में कहीं खो गया है। जो काफी तलाश करने के बाद भी नहीं मिल सका है।

रीना स्वर्णकार पुत्री श्री विभूति भूषण निवासी -रूदपुर, शक्तिफार्म, तहसील- सितारगंज (ऊधम सिंह नगर)

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पति स्व. सुन्दर सिंह पुत्र श्री हरपाल सिंह के सैन्य अभिलेखों में मेरे पुत्र का नाम भूलवश तनुज सिंह एवं जन्म तिथि भूलवश 25.05.2005 दर्ज हो गयी है, जबकि मेरे पुत्र का सही व वास्तविक नाम तनुज कार्की (TANUJ KARKI) एवं जन्म तिथि 27.03.2006 है जो कि आधार कार्ड, हाईस्कूल प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र एवं शैक्षिक प्रमाण पत्र में भी दर्ज है।

सरस्वती देवी पत्नी स्व. सुन्दर सिंह
निवासी-ग्राम कल्याणपुर
तहसील व थाना सितारगज,
जिला-उधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा

स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित

सम्पादक- परमपाल सुखीजा

आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।

E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in

फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

उत्तराखंड में 'खत्म' हो सकती हैं 'फूलों की कई प्रजातियां'

बीजों को अंकुरण के लिए नहीं मिल पा रहा अनुकूल वातावरण, फूलों के रंग द्रव्य में हो रहे हैं रासायनिक परिवर्तन,बदल रहा है फूलों के परागण का समय

-अर्श-

चमोली। सूबे के हिमालयी क्षेत्र की वनस्पति एवं फूलों पर पड़ रहे ग्लोबल वार्मिंग के असर को वनस्पति विज्ञानियों द्वारा लगभग एक दशक पहले से ही नोट किया जा रहा है और इसके दुष्परिणामों से निपटाने की सलाह सरकार को लगातार दी जाती रही है, लेकिन राज्य की सरकारें उच्च हिमालयी क्षेत्र की बायोडायवर्सिटी को संरक्षित करने की दिशा में आवश्यक एवं प्रतिबद्ध कदम उठाने के प्रति आमतौर पर उदासीन ही रही हैं। नतीजतन हिमालयन फ्लावर्स की कुछ प्रजातियों के फूल अब समय से पहले ही खिलने लगे हैं और कुछ प्रजातियों के फूलों के बीजों को अंकुरण के लिए अनुकूल वातावरण ही नहीं मिल पा रहा। जिससे इन प्रजातियों के आगामी कुछ वर्षों में लुप्त हो जाने की पूरी-पूरी आशंका है ।फूलों पर पड़ रहे जलवायु परिवर्तन के इस असर से जुड़े शोध को विज्ञान पत्रिका करेंट बायोलॉजी ने भी प्रकाशित किया है ।शोध के अनुसार ग्लोबल वार्मिंग के कारण हिमालय में पाए जाने वाले फूलों का रंग तो धीरे-धीरे बदल ही रहा है, साथ ही फूलों के परागण का समय भी बदल रहा है तथा फूलों के रंगद्रव्य में भी रासायनिक परिवर्तन आ रहे हैं। यह रंगद्रव्य ही पराबैंगनी किरणों को अवशोषित करते हैं, मगर ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण रासायनिक प्रकिया में बदलाव होने से फूलों के रंगों में भी बदलाव आ रहा है। उत्तराखंड बायोटैक्नलॉजी परिषद के वैज्ञानिक डॉ. सुमित पुरोहित के अनुसार तापमान में बदलाव से बीजों के अंकुरित होने में दिक्कत आ रही है।वनस्पति पर्यवेक्षक के दौरान नोट किया गया है कि हिमालयन फ्लावर्स की कुछ प्रजातियों के फूल अब समय से पहले ही खिल जाते हैं, तो कई प्रजातियों को अंकुरण के लिए अनुकूल वातावरण ही नहीं मिल पा रहा । उच्च हिमालय क्षेत्र के ठंडे वातावरण में खिलने वाले हिमालय ब्लू पोपी, ब्रहम्म कमल, सालम पंजा के फूलों सहित कई अन्य प्रजातियों पर इसका असर पड़ रहा है। इतना ही नहीं, रिसर्च में यह भी पता चला है कि

अगले तीस सालों में हिमालय में उगने वाली 35 से 40 फीसदी फूलों प्रजातियां लुप्त हो सकती हैं । जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालय पर्यावरण संस्थान के वैज्ञानिक डॉ। संदीप रावत के अनुसार जलवायु परिवर्तन अर्थ एनवायरमेंटल इंपैक्ट पर बड़ा असर डाल रहा है । हिमालय में उगने वाले जंगली फूल इससे सबसे अधिक प्रभवित हो रहे हैं, क्योंकि फूलों में अचानक आने वाले बदलाव को सहने की क्षमता कम होती है ।उत्तराखंड की शान एवं यूनेस्को विश्व धरोहर में शामिल फूलों की घाटी के फूलों पर भी जलवायु परिवर्तन का असर साफ दिखने लगा है। तकरीबन 87।5 वर्ग किमी में फैली इस घाटी में 500 प्रजाति के फूल खिलते हैं। यहां पोटोटिला, प्राइमिला, एनिमोन, एरिसीमा, एमोनाइटम, ब्लू पापी, मार्स मेरी गोल्ड, ब्रह्मकमल, फैन कमल जैसी कुछ प्रजातियों पर ग्लोबल वॉर्मिंग का गहरा असर है। जिस कारण यहां की बायोडाय वर्सिटी को संरक्षित करने के लिए कई वैज्ञानिक लंबे समय से शोध कर रहे हैं। वैज्ञानिकों ने पाया है कि यहां रंग बिरंगे फूलों के बीच ऐसे पौधे उग रहे हैं ,जो फूलों के पौधों के स्वाभाविक पल्लवन में बाध । पैदा करते हैं ।यह पौधे धीरे-धीरे समूची फूलों की घाटी को अपनी जकड़ में ले रहे हैं। जिसके चलते चमोली जनपद स्थित फूलों की घाटी के वजूद पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है।पर्यावरणविद प्रोफेसर बीडी जोशी के अनुसार ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि ऊपरी इलाकों में मौसम बदल रहा है और बदलते मौसम में ऐसी वनस्पतियां वहां पैदा हो रही हैं, जिनकी ना तो पहले कभी कल्पना की जा सकती थी और ना ही उन्हें इतनी ऊपर इलाकों में देखा गया है। लगभग तीन से चार ऐसी प्रजातियां उत्तराखंड की फूलों की घाटी में पैदा हो गई है। जो वहां मौजूद फूलों को खत्म कर रही हैं।ज्ञात हो कि फूलों की घाटी में मौजूद करीब 500 से ज्यादा फूलों की प्रजातियों के बीच पॉलीवोराम, ओसमोन्डा जैसी प्रजातियां बढ़ रही हैं, ये कुछ ऐसे पौधे हैं जिन्होंने फूलों की घाटी को चारों तरफ से घेर लिया है और घाटी इतने लंबे एरिया में फैली है कि उसमें से इस खराब प्रजाति को निकालना बेहद जटिल कार्य है। एक बार जो पौधा कहीं पर उग जाता है, उसके बार-बार पनपने के चांस ज्यादा बढ़ जाते हैं। लिहाजा अब सरकार और पर्यावरण प्रेमियों की मुख्य चिंता यह होनी चाहिए कि फूलों की घाटी और वहां मौजूद फूलों को कैसे बचाया जाए ?

प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को मिली इनवर्टर की सुविधा

नानकमता(उद संवाददाता)। राजकीय प्राथमिक विद्यालय बंगाली कॉलोनी नानकमत्ता मैं पढ़ रहे 80 बच्चों को गर्मी से निजात दिलाने हेतु, गांव के मुखिया सुरंजन राय द्वारा 30,000 रूपये लागत का इनवर्टर अपनी ओर से विद्यालय को प्राप्त करवाया गया। मुखिया सुरंजन राय का कहना है कि गांव के गरीब घरों के बच्चे गांव के प्राथमिक विद्यालय में अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकें जिन्हें शिक्षा प्राप्त करने में किसी प्रकार की कोई कठिनाई न हो। सुरंजन राय ने बच्चों को कहा कि आप हमारे गांव के मेहनती अध्यापकों के दिशा निर्देशन में अच्छी पढ़ाई करते हुए मेरी बंगाली कॉलोनी का नाम रोशन करेंगे। प्रधानाध्यापक के एन अटवाल ने बताया कि, इससे पहले वर्ष में भी सुरंजन राय द्वारा विद्यालय को 80 बच्चों के खाने के लिए थाली गिलास और चम्मच प्रदान की थी। सुरंजन राय का हमेशा ही विद्यालय को सहयोग मिलता रहता है। इस दौरान विद्यालय परिवार के प्रधानाध्यापक के एन अटवाल, सहायक अध्यापक उर्मिल विश्वकर्मा, भोजन माता पुतुल राय मीना कौर सहित विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा तथा विद्यालय के समस्त बच्चों द्वारा सुरंजन राय को धन्यवाद कर आभार प्रकट किया।

आई साईट अस्पताल में छह माह के बच्चे को मिली आँख की रोशनी

लेन्स प्रत्यारोपण के द्वारा अत्याधुनिक मशीनों से किया गया ऑपरेशन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। बिलासपुर रोड स्थित आई साईट नेत्र चिकित्सालय में छह माह के बच्चे का मोतियाबिंद का सफल ऑपरेशन करके बच्चे की आंख की रोशनी मिली है। जानकारी के अनुसार 6 माह के बच्चे को मोतियाबिन्द की शिकायत थी जिसके लिये उसको दिल्ली रेफर किया गया था। किसी ने परिवार को बिलासपुर रोड स्थित आईसाईट अस्पताल में जाने की सलाह दी। जिस पर मासूम को आई साईट अस्पताल लाया गया। यहां उसका अस्पताल की नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. रेनुका मिश्रा एवं डा. अमित मिश्रा ने बच्चे का मोतियाबिंद का आपरेशन लेन्स प्रत्यारोपण के द्वारा आधुनिक मशीनों से किया। बच्चा अब बिलकुल स्वस्थ है और उसकी आँखो की रोशनी लौट आयी है। बता दें डा. रेनुका मिश्रा क्षेत्र की एक मात्र रेटिना (आंखों के पर्दे) की विशेषज्ञ है। आई साईट आंख अस्पताल में हर प्रकार की आंखों की बिमारियों का इलाज किया जाता है। अस्पताल के चिकित्सक अमित मिश्रा को लगभग 25000 आपरेशन का अनुभव है। उन्होंने एक दिन में 100 से ज्यादा ऑपरेशन करने का कीर्तिमान भी बनाया है। अस्पताल में प्रत्येक बुधवार को नि:शुल्क नेत्र परीक्षण सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जाता है। अस्पताल में उत्तर प्रदेश के आयुष्मान कार्ड से नि:शुल्क उपचार की सुविधा भी उपलब्ध है।

विभिन्न समस्याओं को लेकर डीएम से मिले अधिवक्ता

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। जिलाबार एसोसियेशन रूदपुर उधमसिंह नगर की कार्यकारिणी का प्रतिनिधिमण्डल जिलाबार एसोसियेशन रूद्रपुर के अध्यक्ष दिवाकर पाण्डेय एडवोकेट एवं सचिव सर्वेश कुमार सिंह एडवोकेट के नेतृत्व में जिलाधिकारी उदयराज सिंह से मिलकर अधिवक्ता वादकारी एवं आम जनता को हो रही विभिन्न समस्याओं के बारे में ज्ञापन सौपा तथा मौखिक रूप से समस्याओं के निस्तारण करने को लेकर वार्ता की गई। जिलाधिकारी को सौपे गये ज्ञापन में कहा गया है कि विगत कई महिनों से कलेक्ट्रेट का मैन गेट बन्द होने के कारण कलेक्ट्रेट को विभिन्न न्यायिक कार्यों एवं पोस्ट ऑफिस के कार्यों से जाने वाले अधिवक्ता एवं वादकारियों को काफी दूरी तय कर घूम के जाना पडता है। जिससे उनका अत्यधिक समय बर्बाद होता है। शारीरिक रूप से कमजोर अधिवक्ता एवं वादकारी को विषम परिस्थिति में चक्कर आने के कारण चोट लगने का

भी खतरा बना रहता है। मेन गेट से कलेक्ट्रेट को आने जाने के लिए जो भी थोडी बहुत जगह छोडी हुई है उसको अपना वाहन बाहर खडाकर जाना पडता है। जिस कारण उनका वाहन चोरी होने का खतरा बना रहता है। ऐसी स्थिति में उपरोक्त कई लंबे समय से बन्द पडे मेन गेट को अतिशीघ्र खोले जाने की मॉग की गई। सर्वेश कुमार सिंह ने कहा कि जिला न्यायालय एवं कलेक्ट्रेट के बीचोबीच जाने वाली नेशनल हाईवे पर वाहन टकराने से दुर्घटना का काफी खतरा बना हुआ है पूर्व में भी कई बार घटना हो चुकी है जिस पर फुटओवर ब्रिज निर्माण को लेकर काफी समय से मॉग की जा रही है जिसके निर्माण कार्य के लिए शासन से धनराशि स्वीकृत है लेकिन आज दिन तक कार्यवाही अमल में नहीं लाई गई है। जिस कारण भविष्य में भी दुर्घटना का निरंतर खतरा बना हुआ है। उपरोक्त फुटओबर ब्रिज का अतिशीघ्र निर्माण कार्य करवाया जाना अधिवक्ता एवं वादकारी व आम जनता के हित में आवश्यक है। जिलाबार अध्यक्ष दिवाकर पाण्डेय ने कहा है कि कलेक्ट्रेट परिसर में अस्थाई रूप से बैठने वाले अधिवक्ताओं के लिए आज दिन तक कोई भी बैठने की जगह मुहैया नहीं करवाई गई है। जबकि अधिवक्ताओं की तादात लगातार बढ रही है जिसके सम्बन्ध में काफी समय से लिखित एवं मौखिक रूप से मॉग की जा रही है लेकिन जिलाबार की इस जायज मोंगों पर शासन प्रशासन द्वारा कोई भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ऐसी स्थिति में परिसर में अस्थाई तौर पर बैठने वाले अधिवकताओं के लिए वहाँ पर रिक्त पडी भूमि पर अबिलंब चेम्बर एवं वाहन पार्क का निर्माण करवाया जाना आवश्यक है। उन्होंने यह भी मॉग की है कि जिला न्यायालय परिसर के समीप गुजरने वाली नेशनल हाईबे पर फुटओबर ब्रिज का निर्माण कार्य को प्रारम्भ करवाये जाने से सडक के किनारों पर खडे बिजली के पोल को तत्काल प्रभाव से हटवाया जाये। ज्ञापन सौपने वालो में अध्यक्ष दिवाकर पाण्डेय सचिव सर्वेश कुमार सिंह, उपसचिव विकास तिवारी, कोशाध्यक्ष पावेल कठायत, लेखापरीक्षक आशीष त्रिपाठी. पुस्तकालयाध्यक्ष गौरव मिढडा, कार्यकारिणी सदस्यों में अखिलेश कुशवाहा, अमित छावडा, परविंदर सिंह, संजीत बढई, जयप्रकाश गंगवार मौजूद रहे।

महिला श्रमिक पर लगाया मारपीट व धमकाने का आरोप

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। सिडकुल स्थित एक फैक्ट्री में कार्यरत श्रमिक ने अपनी साथी महिला पर उससे मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई करने की मांग की है। कमल दीप सिंह पुत्र मुन्ना सिंह निवासी आजाद नगर ट्रांजिट कैंप का कहना है कि वह सिडकुल पंतनगर स्थित फैक्ट्री में कार्यरत है। फैक्ट्री में ही रीना नाम महिला कार्य करती है जो काफी विवादित है और आये दिन किसी न किसी की शिकायत फैक्ट्री प्रबंधन को करती रहती है जिस कारण उसकी फैक्ट्री मैं रोज किसी न किसी से लडाई होती रहती है। उसका कहना है कि उक्त महिला द्वारा उसकी झूठी शिकायत फैक्ट्री प्रबंधन को की जिस कारण फैक्ट्री में उसको फैक्ट्री प्रबंधन से डांट सुननी पड़ी। आज 27 जुलाई को सुबह लगभग 8 बजे फैक्ट्री ड्यूटी पर पहुँचा तभी उक्त महिला उससे बिना किसी बात के झगडा करने लगी। जब इसका विरोध किया तो उसने इंट से उस पर हमला कर दिया। जिस कारण उसे कई जगह खुली चोट आ गई। जिसके बाद महिला ने उसको धमकी दी कि अभी अपने पति और लड़कों को बुलाकर तुझे जान से मरवा दूंगी। जिस पर वह अपनी जान बचा कर फैक्ट्री से भाग गया।

वाहन चोरों ने उड़ाई स्कूटी और बाईक

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। अज्ञात वाहन चोरों ने अलग अलग स्थानों से स्कूटी व मोटर साईकिल चोरी कर लीं। घटना की रपट दर्ज करा दी गई है। दर्ज रपट में भदईपुरा वार्ड 4 निवासी तेजपाल पुत्र सियाराम ने बताया कि 2 जुलाई को उसने अपनी स्कूटी संख्या यूके 06 एएच 9408 को खाटू श्याम मंदिर के पास खड़ा किया था। कुछ देर बाद जब वह वापस लौटा तो उसकी स्कूटी वहां पर मौजूद नही थी। वहीं ग्राम करेली, सुभाषनगर बरेली निवासी ब्रजेश कुमार पुत्र जानकी प्रसाद का कहना है कि 16 जुलाई की दोपहर उसने अपनी मोटरसाईकिल संख्या यूपी 25 सीयू 1062 को विशाल मेगा मार्ट के आगे खड़ा किया था। जहां से अज्ञात व्यक्ति उसकी मोटरसाईकिल को चोरी कर ले गया। पुलिस ने वाहन चोरी के दोनों मामलों की रपट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।